श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 22 वर्ष, अंक 162, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 11 जुलाई 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

मॉनसून ने मचाई तबाही...

दिल्ली, पंजाब और हिमाचल सहित देश के उत्तरी राज्यों में बारिश से बाढ़ जैसे हालात, पिछले 24 घंटे में सात राज्यों में लैंडस्लाइड और बाढ़ की अलग-अलग घटनाओं में 56 मौतें हुई, मनाली में बारिश का 52 साल का रिकॉर्ड टूटा, हिमाचलः सुजानपुर में फटा बादल, मंडी-कुल्लू-रामपुर में बाढ़, वाहन बहे

शिमलाः हिमाचल प्रदेश में मानसून दस्तक देते ही तबाही मचाने लगा है। कई जगह बारिश आफत लेकर आई। कुल्लू-मंडी-रामपुर में बाढ़ से कई जगह जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हमीरपुर में सुजानपुर के खैरी में रविवार को बादल फटने से पांच घरों में मलबा घुस गया। तहसीलदार सुजानपुर अशोक पठानिया ने बताया कि छह लोगों को रेस्क्यू किया गया है। कांगड़ा के नगरोटा बगवां के उपरली मझेटली में बिजली गिरने से मां और डेढ़ साल का बच्चा झुलस गए। उन्हें नगरोटा अस्पताल में भर्ती किया गया है। मंडी के सराज की तुंगधार और कुल्लू की मौहल खड्ड में बाढ़ से एक दर्जन वाहन बह गए और कई घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मंडी के शिकारी देवी में शनिवार रात 200 लोग फंस गए, जिन्हें छह घंटे बाद निकाला गया। प्रदेशभर में 85 सड़कें बंद हो गईं हैं। 55 बिजली के ट्रांसफार्मरों को नुकसान पहुंचा है। उधर, कालका-शिमला रेलवे ट्रैक पर जगह-जगह पहाड़ियों से पत्थर, मलबा और पेड़ गिरने से दूसरे दिन भी सभी ट्रेनें रद्द हो गईं। सिर्फ टॉय ट्रेन ही शिमला पहुंच पाई। प्रदेश में मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने सोमवार को ऑरेंज और मंगलवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के चलते सोलन की मांगल पंचायत में 22 बकरियां एक नाले में बह गईं, जिनमें से छह की मौत हो गई।

- दिल्ली में यमुना का वाटरलेवल 204.63 मीटर पहुंचा
- दिल्ली में भारी बारिश को देखते हुए सीएम केजरीवाल ने बैठक की
- दिल्ली हाईकोर्ट में कोर्ट रूम में पानी लीकेज के चलते उसे शिफ्ट किया गया
- हिमाचल में इस सीजन बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड में अब तक 23 की मौत
- हिमाचल में नेशनल हाईवे और लिंक रोड सहित कुल 1300 रोड प्रभावित
- पंजाब में 13 जुलाई तक सभी सरकारी, एडेड और प्राइवेट स्कूल बंद
- हरियाणा में एनडीआरएफ बुलाई गई, सीएम की इमरजेंसी मीटिंग में फैसला
- मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी में फंसे चार लोगों को एसडीआरएफ ने रेस्क्यू किया।
- अमरनाथ यात्रा को लगातार तीसरे दिन जम्मू के रास्ते रोक दिया गया।
- चंडीगढ़ में 13 जुलाई तक सारे स्कूल बंद किए गए।
- श्रीखंड यात्रा सस्पेंड। खराब मौसम को देखते हुए कुल्लू ने आदेश जारी किया

रविवार को मनाली, लाहौल, रोहतांग, शिंकुला और बारालाचा दर्रे की ऊंची चोटियों पर बर्फ के फाहे गिरे। प्रदेश के कई इलाकों में बिना बिजली-पानी के दुश्वारियां बढ़ गई हैं। कुल्लू की मौहल खड्ड में बाढ़ से आठ वाहन बह गए। आधी रात को कई लोगों को अपने वाहन निकालने पड़े। सराज के तुंगधार नाले में भी बाढ़ से चार गाड़ियां बह गईं, आधा दर्जन घरों को नुकसान पहुंचा। नरोली गांव के निकट एक दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। आधी रात को लोगों में अफरातफरी मच गई। बिलासपुर के बरठीं बाजार में घरों और दुकानों में पानी घुस गया।

बरशैणी में बारिश के चलते एक मकान को क्षति पहुंची। बंजार के 10 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। जोगिंद्रनगर के पीपली-बढोण सड़क पर शनिवार रात समखेतर नाले में बाढ़ से पुल बह गया, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया। बगस्याड़ में पहाड़ धंसने से एक मकान और दो गाड़ियां मलबे में दब गईं। जोगिंद्रनगर में सड़क पर पेड़ गिरने से मंडी-पठानकोट नेशनल हाईवे भी कुछ समय बाधित रहा। बल्ह घाटी में टमाटर की फसल तबाह हो गई। सुकेती खड्ड के किनारों से कई प्रवासियों की झोपड़ियां खाली करवाई गईं। हमीरपुर में धौलासिद्ध परियोजना के कार्य में लगे एक ठेकेदार की छह मशीनें पानी के बहाव में बह गईं। सोलन के धर्मपुर के सिहारड़ी में चार लोगों के घर में भारी बारिश के चलते पानी घुस गया। फोरलेन पर पानी की निकासी सही न होने से लोग नाराज हैं। कालका-शिमला नेशनल हाईवे पांच पर भी परवाणू से कुमारहट्टी के बीच कई जगह पत्थर और मलबा सड़क पर आने से यातायात वनवे रहा। दाड़लाघाट, कुनिहार, सुबाथू समेत अन्य जगह पेड़ गिरने से रास्ते बंद हुए। सिरमौर में भी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। नाहन-कुमारहट्टी और पांवटा-शिलाई नेशनल हाईवे भी कुछ समय के लिए बंद रहा। शिलाई के गंगटोली में खड़ी गाड़ी पर पत्थर गिरे। सतौन और पुरुवाला में खड्ड का पानी दुकानों में घुस गया। जलस्तर बढ़ने से गिरि नदी पर बने जटोन डैम का एक गेट खोलना पड़ा। रामपुर के अंतर्गत 15/20 क्षेत्र की सरपारा पंचायत में रातभर भारी बारिश के बाद सुग्गा नाले में बाढ़ आ गई। इससे लोगों की खेती योग्य कई बीघा जमीन बह गई है, वहीं एक गोशाला के साथ ही ग्रीनको परियोजना की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। हिमाचल में दो दिन से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते लोक निर्माण विभाग ने फील्ड में तैनात स्टाफ की रविवार की छुट्टी रद्द रही। उन्हें बंद पड़ीं सड़कों को बहाल करने की जिम्मेदारी दी है।

दिल्ली में भी हुआ तेज बारिश, लोग परेशान

मौसम विभाग ने दिल्ली में भी तेज बारिश की संभावना जताई है। अगले दो दिनों के लिए यहां बारिश जारी रहने की संभावना है। सोमा सेन के मुताबिक दिल्ली में 12 सेमी तक बारिश की संभावना है, यह अधिक भी हो सकती है, जिसकी निगरानी की जा रही है।

सोमवार के लिए दिल्ली में येलो अलर्ट है। उन्होंने बताया कि मंगलवार से उत्तर-पश्चिम हिमालय में बारिश थोड़ी कम हो जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार चंडीगढ़, पंचकूला (हरियाणा) और मोहाली (पंजाब) के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

पीएम ने हिमाचल-उत्तराखंड के सीएम से की बात

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश के मद्देनजर स्थिति का जायजा लेने के लिए सोमवार को वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों से बात की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि स्थानीय प्रशासन, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। पीएमओ ने एक ट्वीट में कहा, पीएम मोदी ने वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों से बात की और भारत के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दो दिनों में उत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश और तेज हवाओं ने तबाही मचाई है।

हरियाणाः करनाल में यमुना खतरे के निशान से ऊपर

करनालः हरियाणा के करनाल जिले में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, क्योंकि हथिनी कुंड बैराज से 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिसकी आज शाम तक या कल तक करनाल पहुंचने की संभावना थी, लेकिन पानी आज सुबह ही करनाल पहुंच गया। इससे इन्द्री क्षेत्र के 10 से 12 गांवों में करीब 8 से 10 फीट तक पानी भर गया। लोग घरों की छतों पर बैठे हैं। उधर, गांव कलसोरा में खेत में गए 2 किसान फंस गए हैं। जिनकी पहचान ऋषि पाल और हरवीर सिंह के रूप में हुई है। सबसे गंभीर हालात शेरगढ़ टापू के आस-पास के गांवों के है। यहां पर यमुना का बांध टूट गया। सूचना के बाद प्रशासनिक अधिकारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और बांध को बंद करने में जुट गए। फसलें पूरी तरह से पानी में डूब गई हैं। हालांकि 4 से 5 जेसीबी मशीन बांध को बंद करने के लिए पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद टूटे बांध का पानी बंद कर दिया गया।

अध्यादेश के खिलाफ केंद्र और एलजी को नोटिस

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग के मामले में केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली के उप राज्यपाल को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने दो हफ्ते के बाद सुनवाई करने का आदेश दिया। दिल्ली सरकार ने याचिका में केंद्र सरकार के अध्यादेश पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। दिल्ली सरकार ने याचिका में कहा है कि केंद्र सरकार का 19 मई को लाया गया अध्यादेश असंवैधानिक है। गौरतलब है कि 11 मई को सुप्रीम

कोर्ट की संविधान बेंच ने कहा था कि उप राज्यपाल के पास केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली से संबंधित सभी मुद्दों पर व्यापक प्रशासनिक पर्यवेक्षण नहीं हो सकता है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय बेंच ने सर्वसम्मत फैसले में कहा है कि उप राज्यपाल की शक्तियां उन्हें दिल्ली विधानसभा और निर्वाचित सरकार की विधायी शक्तियों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं देती हैं।

जिस ब्रिटेन ने किया था राज, उससे ज्यादा मजबूत है भारत की सेना आज

वाशिंगटनः जिस ब्रिटेन ने भारत पर राज किया था, आज भारत की सेना उससे ज्यादा मजबूत है। वैश्विक रक्षा संबंधी जानकारी पर नजर रखने वाली डेटा वेबसाइट ग्लोबल फायर पावर ने दुनिया के सैन्य संतुलन की सूची जारी की है। इसके अनुसार भारत दुनिया में चौथे स्थान पर और ब्रिटेन पांचवें स्थान पर है। इस सूची के अनुसार पहले स्थान पर मौजूद अमेरिका के पास दुनिया की सबसे मजबूत सैन्य शक्ति है। इस सूची में रूस दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर हैं। ग्लोबल फायर पावर की ओर से जारी की गई 'सैन्य ताकत सूची 2023' में सैन्य ताकत का मूल्यांकन 60 से अधिक कारकों पर किया गया है। सैन्य इकाइयों की संख्या और वित्तीय स्थिति से लेकर रसद क्षमताओं और भौगोलिक स्थिति तक की श्रेणियों के साथ हर देश का स्कोर निकाला गया है। रिपोर्ट में 145 देशों को सूचीबद्ध किया गया है और प्रत्येक देश की साल-दर-साल रैंकिंग में बदलाव की तुलना भी की गई है। पाकिस्तान नौवें से सातवें स्थान पर पहुंचाः इस सूची में शीर्ष दस में से शीर्ष चार देश वैसे ही बने हुए हैं जैसे वे ग्लोबल फायर पावर सूची में 2022 में थे।

बगावत के बाद हुई थी प्रिगोझिन और पुतिन की मुलाकात

मॉस्कोः रूस में बीते माह हुई सैन्य बगावत के बाद बगावत के सूत्रधार वैगनर समूह के प्रमुख येवेगेनी प्रिगोझिन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के बीच मुलाकात हुई थी। रूस की ओर से इस बात की पुष्टि भी की गयी है।

यूक्रेन पर रूसी हमल के सोलह महीने बीतते-बीतते बीते माह जून में रूस को सैन्य बगावत का सामना करना पड़ा था। दरअसल यूक्रेन में रूस के लिए लड़ाई लड़ रहे वैगनर समूह के लड़ाकों ने बागी रुख अख्तियार कर लिया था।

नॉलेज सेंटर को नॉलेज इकोनॉमी का सेंटर बनना चाहिए : राष्ट्रपति

नई दिल्लीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के तकनीकी संस्थानों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग करने की सलाह देते हुए कहा कि नॉलेज सेंटर को नॉलेज इकोनॉमी का सेंटर बनना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित दो दिवसीय आगंतुक सम्मेलन-2023 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने इस दौरान नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास श्रेणियों में आगंतुक पुरस्कार 2021 भी प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मुर्मू उच्च शिक्षा के 162 केंद्रीय संस्थानों की विजिटर हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य भारत को ग्लोबल नॉलेज पावर बनाना है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य छात्रों के लिए बेहतर माहौल स्थापित करना है साथ ही इसमें अच्छे शिक्षकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। उन्होंने कहा कि समाज और देश के विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में शिक्षा की अहम भूमिका होगी। सम्मेलन को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आगामी 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की तीसरी वर्षगांठ मनाई जाएगी। इसमें देशभर के शिक्षाविदों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चरक, सुश्रुत से लेकर पाणिनी आदि को हम समाजशास्त्र, प्राणि विज्ञान, ज्योतिष और भूगोल शास्त्र में नाम ले सकते हैं।

सरकारी घटिया बीज से आदिवासी किसान परेशान

बांसवाड़ाः आदिवासी बहुल बांसवाड़ा में बुवाई के लिए सरकार की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराए गए हाईब्रड बीज के खराब निकलने की शिकायतें मिल रही है। भाजपा ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की है। टीएडी और राजस्थान बीज निगम से मिले नामी कंपनी के पांच-पांच किलो मक्का बीज के किट कृषि विभाग की ओर से पिछले दिनों किसानों में बांटे गए। बोने के बाद कई स्थानों पर आठ दिन बाद भी बीज नहीं उगने से किसान परेशान हैं। शिकायतें मिलने पर कृषि विभाग के अधिकारी जांच पड़ताल में जुट गए में हैं, लेकिन यह पता नहीं चल पा रहा कि बीजों की कौनसी खेप में गड़बड़ी है। इसे लेकर प्रशासन के निर्देश पर सेंपलिंग की औपचारिकता भी हो रही है। बावजूद इसके, काश्तकारों को इससे कुछ फायदा नहीं हो रहा और वे अब दोबारा बुवाई करने को मजबूर हो रहे हैं।

करीब साढ़े तीन लाख किट आए, बंट चुके हैं 80 फीसदीः विभागीय सूत्रों के अनुसार इस बार जनजाति विकास विभाग की ओर से जिले में एसटी वर्ग के काश्तकारों को वितरण के लिए ।

स्लैब में बदलाव सहित कई मुद्दों पर होगी चर्चा

जीएसटी परिषद की बैठक आज

नई दिल्लीः वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 50वीं बैठक 11 जुलाई, मंगलवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में होगी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में जीएसटी स्लैब में बदलाव सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि 11 जुलाई को जीएसटी परिषद की होने वाली 50वीं बैठक में कई वस्तुओं पर मौजूदा जीएसटी स्लैब की दर में कटौती की जा सकती है। इस बैठक में ऑनलाइन

गेमिंग, कैसिनो और हॉर्स रेसिंग पर जीएसटी टैक्स कैसे वसूला जाए इस पर चर्चा होगी। इसके साथ ही जीएसटी परिषद सिनेमा हाल में मिलने वाले फूड एंड बेवरेजेज पर पांच फीसदी टैक्स लगाने और जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के गठन के लिए नियम अधिसूचित करने तथा सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दे सकता है। इसके अलावा जीएसटी परिषद इस बैठक में ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के जरिए ई-कॉमर्स कारोबार करने वाले आपूर्तिकताओं पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की देनदारी को लेकर स्पष्टीकरण जारी कर सकती है।

ओएनडीसी उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग की नई पहल है, जिसको लेकर कोई स्पष्टता नहीं है ।

मुख्यमंत्री योगी ने सप्ताह भर पहले अफसरों को दिये थे सावन को लेकर जरूरी दिशा निर्देश

उप्रः सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में दिखी बेहतर प्रबंधन की झलक

लखनऊः सावन के पहले सोमवार पर उत्तर प्रदेश के सभी प्रमुख शिवालयों में योगी सरकार के बेहतरीन प्रबंधन की झलक देखने को मिली। मंदिरों में उमड़ने वाली भीड़ और कांवड़ यात्रियों को देखते हुए यूपी पुलिस ने प्रदेश भर में चाक-चौबंद व्यवस्था कर रखी थी। शिव मंदिरों पर पुलिस के आला अधिकारी से लेकर कॉन्स्टेबल तक तैनात रहे।

बनारस से बरेली तक के बड़े शिव मन्दिर में योगी के मैनेजमेंट से शिव भक्त गदगद नजर आए। श्रद्धालुओं के उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन व प्रदेश के शिवालयों की प्रबंध समिति पूरी तरह से मुस्तैद नजर आई। मार्गों का डायवर्जन

करने के साथ ही शिव मंदिरों पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती रही। यही नहीं अराजक तत्वों से निपटने के लिए प्रसिद्ध मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे का भी सहारा लिया गया। इस बार सावन 59 दिन का है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सप्ताह भर पहले प्रदेश के सभी जिलों के अफसरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की थी, जिसमें उन्होंने सावन की तैयारियों को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए थे। यही नहीं सावन के पहले ही दिन मुख्यमंत्री योगी ने खुद काशी विश्वनाथ मंदिर जाकर व्यवस्था का जायजा लिया था।

वाराणसी में विशेष व्यवस्थाः सरकार ने काशी विश्वनाथ धाम में बाबा के दर्शन को लेकर विशेष व्यवस्था की। रेड कार्पेट पर श्रद्धालुओं के लिए पुष्प वर्षा की गई। कई जगहों पर एलईडी टीवी के माध्यम से बाबा विश्वनाथ के दर्शन का सजीव प्रसारण किया गया।

महंगाई में टमाटर हुआ 'लाल', सब्जियों ने बिगड़ा खाने का स्वाद

मीरजापुरः मानसून में बरसात का दौर जारी है। वहीं टमाटर 'लाल' यानी अचानक दामों में छलांग लगाई है। इससे सब्जियों का जायका बिगड़ने लगा है। एक तरफ गृहिणियां रसोई का बजट बिगड़ने से परेशान हैं तो सब्जी विक्रेता स्थानीय सब्जियों की आवक कम होने से चिंतित हो गए हैं।

जनपद में टमाटर 120 रुपये के पार हो गया है। जो टमाटर थोड़े अच्छे हैं वह 160 रुपये किलो। जबकि अन्य 120 से 130 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं। सब्जियों में आलू 20 रुपये किलो तक पहुंच गया है तो बोड़ा 80

रुपये किलो। सब्जी विक्रेता शनि सोनकर का कहना है कि बारिश के मौसम में स्थानीय स्तर पर टमाटर की आवक कम हो गई है। कासगंज से जो भी टमाटर आ रहे हैं वह बहुत कम हैं क्योंकि उधर भी बारिश से सब्जियों पर असर पड़ा है। सब्जी उत्पादक बताते हैं कि बरसात के कारण सब्जियां खराब हो गई हैं।

खबर संक्षेप

मोहम्मद पुर सराय अली विद्यालय में अभिभावकों के साथ हुई बैठक में योजनाओं पर चर्चा

मऊआइमा। मऊआइमा विकास खण्ड के ग्राम मोहम्मदपुर सराय अली स्थित प्रा. विद्यालय में प्रधान अध्यापिका अंजली पांडेय के नेतृत्व में अभिभावकों की एक बैठक कर योजनाओ की चर्च की गई। इस अवसर पर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बैठक में बच्चों के नामांकन, उपस्थिति, यूनिफॉर्म, निपुण भारत कार्यक्रम, कायाकल्प के बिंदुओं, विद्यालय प्रबंधन समिति के स्वरूप, गठन व कर्तव्य के बारे में चर्चा की गई। आखिर में प्रधानाध्यापिका ने बताया कि इस प्रकार से अभिभावकों का सहयोग रहा तो अपने विद्यालय के बच्चों को निपुण बनाने में सफल रहेंगे तथा संचारी रोगों के बारे में जागरूक किया गया। बैठक में कासमी बेगम, शशि प्रभा त्रिपाठी, रश्मि, किरन, नीलम पटेल समेत अभिभावकों और बालिका मौजूद रहे।

घर से निकली महिला और अपलाइन पर आती ट्रेन के सामने लेट गई

शंकरगढ़ के रानीगंज रेलवे फाटक के सामने की आत्महत्या, जीआरपी ने शव भेजा चीरघर

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। प्रयागराज-मुंबई रेलखंड पर सोमवार की सुबह एक महिला ने रेलवे ट्रैक पर लेटकर आत्महत्या कर ली। यह मामला शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के रानीगंज रेलवे फाटक के समीप की है। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर चीरघर भेजा। जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ क्षेत्र के बढ़ैया गांव का निवासी देवेंद्र कुमार वर्मा मुंबई में रहकर काम करता है। उसकी पत्नी पुष्पा गांव में सास-ससुर के साथ गांव में रहती थी। देवेंद्र के पिता होमगार्ड में कार्यरत हैं। देवेंद्र की पत्नी पुष्पा वर्मा अपनी डेढ़ साल की पुत्री के साथ ससुराल में ही रहती है। बताया जाता है कि कुछ दिनों से वह मायके गई हुई थी। रविवार की सुबह उसके पिता उसे उसकी ससुराल छोड़ने आए थे। सोहनलाल अपनी ड्यूटी करने प्रयागराज चले गए थे। घर पर वह अपनी सास के साथ थी। बताया जाता है कि सोमवार की भोर में वह बिना बताए घर से निकली। इस पर घरवालों को लगा कि वह शौच के लिए जा रही है। लेकिन, पुष्पा वर्मा घर से निकलने के बाद सीधा शंकरगढ रेलवे फाटक के पास पहुंची और चलते हुए फाटक से लगभग 100 मीटर अप लाइन में चली गई। इसी दौरान अप लाइन पर एक ट्रेन आई। गेटमैन के अनुसार महिला अपना चप्पल और साथ में रहा सामान रेलवे पटरी के बाहर रख अचानक ट्रेन के आगे लेट गई और ट्रेन उसके ऊपर से गुजर गई। गेटमैन की सूचना पर आई जीआरपी ने लाश को कब्जे में ले लिया। छानबीन के दौरान महिला के पास में मिले मोबाइल से उसके ससुराल फोन किया। जानकारी होते ही घर में कोहराम मच गया। जीआरपी पुलिस लाश पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रदेश अध्यक्ष का कांग्रेसियों ने किया स्वागत

प्रयागराज। फूलपुर के भुलई का पूरा में कांग्रेस के एआईसीसी सदस्य अशफाक अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का जोरदार स्वागत किया गया। तत्पश्चात भुलई शाह की दरगाह पर चादर पोशी कर मुल्क में अमन चैन की दुआ की गई। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री की गलत नीतियों के कारण देश को आर्थिक तंगी की ओर ले गए हैं भाजपा की गलत नीतिगत व्यवस्थाएं देश की जनता के साथ झूठे आश्वासनों से देश का किसान, युवा, व्यापारी, अपने आप को छला महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ती हुई महंगाई युवा बेरोजगारी के लिए केंद्र व प्रदेश की सरकार जिम्मेदार है खाबरी ने कहा कि एक तरफ धर्म के आधार पर भाजपा देश को बांटना चाह रही है दूसरी और भाईचारा कायम रखने के लिए तथा देश में सौहार्द वातावरण बनाए रखने के लिए राहुल गांधी ने 3500 किलोमीटर की पदयात्रा की एआईसीसी सदस्य अशफाक अहमद ने कहा कि राहुल गांधी एक निडर नेता है जो भारत को एकजुट रखने के लिए अटूट प्रतिबद्धता रखते हैं जो प्यार में अटूट विश्वास रखते हैं ऐसा प्यार जो माफ करने भरोसा करने उम्मीद करने और तमाम मतभेद को गले लगाने को तैयार जिन्होंने मोहब्बत की मिसाल कायम की है। डा.जगत नारायण सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई के कारणों पर न तो गौर कर रही है न ही कम करने का कोई ठोस प्रयास कर रही है सरसों के तेल व टमाटर में बेतहाशा वृद्धि से गरीब की थाली से टमाटर गायब है।

न्यूज झरोखा

शहजाद उल हक बनें कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन

करछना। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश चेयरमैन शाहनवाज आलम कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा एवं जिला कार्यकारिणी के अधिकारियों के अनुमोदन पर गुलाम हसन उर्फ शहजाद उल हक को कांग्रेस के कमेटी के जिला चेयरमैन कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग जमुनापार प्रयागराज का चेयरमैन मनोनीत किया है तथा गुलाम हसन उर्फ शहजाद उल हक को जमुना पार जिला चेयरमैन कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग मनोनीत किए जाने पर पार्टी कार्यकताओं में जश्न का माहौल रहा तथा मिठाइयां बांटकर एक-दसरे का अभिवादन किया और नवनियुक्त अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन को माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया इस कार्यक्रम में कांग्रेस कमेटी के प्रमुख लोगों में हर्ष व्यक्त करने वालों में जितेंद्र तिवारी यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, आयुष मिश्रा, सरफराज खान, नदीम खान ,नरेंद्र आदिवासी रोहित कुशवाहा , एग्जाम हुसैन , सुल्तान शेख , इकरार अहमद , सद्दाम हुसैन ,शाहबान सिद्दीकी आविद सिद्दीकी ,अनिल कुशवाहा , मनीष नरेंद्र यादव , शाहनवाज हुसैन और क्षेत्र के लोगों द्वारा माला पहनाकर मिठाई खिलाकर बधाई देते हुए मुबारकबाद दिया।

बिगहियां गांव में पौधों का किया गया वितरण

सहसों। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत ही अति आवश्यक है जिससे मनुष्य सहित हर जीव जंतुओं एवं पशु पक्षियों को ऑक्सीजन प्रदान करते हुए शुद्ध प्राण वायु देने में सहायक होती है। जिसके चलते विगत 4 वर्षो की तरह इस वर्ष भी सोमवार को वरिष्ठ समाज सेवी डीपी शुक्ला के सौजन्य से ग्राम सभा विगाहिया में समाजसेवी दिनेश कुमार शुक्ला ने 1000 पौधों का वितरण किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक लक्ष्मीकांत मिश्र ने कहा कि जिस प्रकार शुक्ला जी द्वारा पौध वितरण का यह कार्य को किया जा रहा है यह क्षेत्र में एक महान व पुनीत कार्य है। समाज को ऐसे और लोगो की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्य रूप से यतीन्द्र मिश्रा, विजय कांत मिश्र, ओम प्रकाश मिश्र, गिरिजा शंकर मिश्र, सुनील मिश्र, अखिलेश धुरिया, मनोज मिश्र, प्रदीप, दुखरन भारतीया, रामबाबू बिन्द, प्यारे लाल विश्वकर्मा, रमा कांत मिश्र, परमानद पांडेय, अतुल मिश्र, अमित गौड़, प्रवीण तिवारी, धीरज पांडेय, दिलीप बिन्द, बलिकरन भारतीया, सोभानाथ बिन्द सहित आदि ग्राम वासी पौधा लेते उपस्थित रहे।

लालापुर में निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन आज

लालापुर। लालापुर बाजार में प्रयागराज यूनाइटेड मेडिसिटी अस्पताल के जाने माने डॉक्टरों द्वारा आज निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे शारीरिक परीक्षण के साथ साथ निः शुल्क दवाइयां भी वितरण की जाएगी।

सोमेश्वर महादेव मंदिर में पुलिस प्रशासन के साथ जिला अपराध निरोधक कमेटी यूथ टीम सुरक्षा में लगी रही

नैनी। नैनी सावन का पहला सोमवार सुबह 4:30 बजे से ही भोले बाबा के भक्तों का तांता बाबा को जल चढ़ाने के लिए लगा रहा जिसमें यमुनानगर यूथ टीम दो पारियों में अपनी सेवा देते हुए जिसमें सुबह 4:30 से 7:00 बजे तक दूसरी पारी 7:00 से 10:00 बजे तक शूलतंकेश्वर और सोमेश्वर नाथ मंदिर मैं रही और वही प्रशासन भी अपनी सेवा सुरक्षा देने मैं सुबह 4:00 बजे से ही लगी हुई थी और उनके साथ सहयोग में यमुनानगर यूथ टीम भी अपना सहयोग दे रही थी जिसमें प्रशासन की ओर से अरेल चौकी प्रभारी परमानन्द एसआई शालिनी सिंह एसआई सुरेंद्र सिंह एसआई विपिन कुमार हेड कांस्टेबल आनंद सिंह आदि पुलिस बल के साथ तैनात थे और वही यमुनानगर यूथ टीम की ओर से यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा सुजीत गौतम शनि देव सिंह सोनू भारतीया राजेश कुमार विकास कुमार सिंह आदि सदस्यगण यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा के नेतृत्व में उपस्थित रहे और आगे भी आने वाले सावन के सोमवार में भी हमारी सेवा बाबा के मंदिर और भक्तों की सुरक्षा मे बनी रहेगी।

नैनी के सोमेश्वर महादेव मंदिर में एसपीओ पुलिस मित्र की टीम सुरक्षा व्यवस्था में लगी रही

नैनी। नैनी सवान का प्रथम सोमवार को सोमेश्वर महादेव मंदिर विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ)पुलिस मित्र की टीम सोमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में मौजूद रहे ।कई स्थानों पर पूजा अर्चना करवाएं पुलिस अधीक्षक जमुना पार उप जिलाधिकारी करछना क्षेत्र अधिकारी करछना नैनी प्रभारी निरीक्षक कोतवाली इंचार्ज बृजेश सिंह एवं समस्त चौकी प्रभारी के आदेशानुसार एसपीओ प्रभारी के निर्देश पर सभी एसपीओ टीम के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित रहे जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली एसपीओ टीम के थाना प्रभारी कमेटी रवि मिश्रा सीनियर एरिया इंचार्ज रामजी जयसवाल एवं मो.फिरोज आदि सहयोगी गण उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने ग्रामीणों से की सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील

मऊ आइमा। भाजपा के नेताओं ने गांव में पहुंच कर भाजपा सरकार के योजनाओं के बारे में तथा नौ साल की उपलब्धों को बताए। मऊआइमा के देवापुर गांव में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल पांडेय के नेतृत्व में नौ साल सेवा सुशासन गरीब कल्याण कार्यक्रम के तहत लोगों से जनसंपर्क किया । कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग बूथों के लोगों से सरकार द्वारा चलाए गए कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया । इस मौके पर मंडल अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह ,मंडल महामंत्री अनिल मिश्रा, मंडल मंत्री गुरु ओम मिश्रा, संयोजक अशोक मिश्रा, अरुण कुमार ,घनश्याम पांडेय ,सुरेंद्र कुमार, इंद्रमणि द्विवेदी, सुशील सिंह, गुलाब पटेल, नरेंद्र तिवारी, जे के त्रिपाठी,शुभम शुक्ला, संजीव मिश्रा, बृजेश कुमार, धीरज कुमार, कमलेश ,अनुराग, प्रमोद कुमार आदि मौजूद थे।

सरकार के कल्याणकारी योजनाओं को लेकरआयोजित हुई कार्यशाला

अखंड भारत संदेश

कोरांव। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नवें वर्ष के उपलक्ष में ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित ग्राम्य विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में विधायक राजमणि कोल खंड विकास अधिकारी धीरेंद्र सिंह यादव ने सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से लोगों को अवगत कराया और पौध रोपण के लिए अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों और क्षेत्र पंचायत के प्रतिनिधियों को प्रेरित किया। विधायक राजमणि कोल ब्लॉक प्रमुख मुकेश कोल का बुकेज दे कर स्वागत भी किया गया। विधायक ने भाजपा सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी तथा प्रधान मंत्री जी के पूरे विश्व में परचम लहराने की सराहना की। उन्होंने नरेंद्र भाई मोदी और मुख्य मंत्री योगी जी की प्रसंशा करते हुए कहा कि आज देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बिना किसी भेद भाव के जनहित में कार्य कर रही है। विधायक ने लोगों को 9090902024 डायल कर सरकारी सारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किए जाने की जानकारी दी और बुक वितरित कराए। सभी जा। प्रतिनिधियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में एडीओ आईएसबी रामेश्वर सिंह ने सरकार की प्राथमिकताओं योजनाओं के बारे में बिस्तर से बताया। कार्य शाला की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख कोराव मुकेश कुमार कोल ने किया। खास तौर से ग्राम प्रधान संगठन के प्रयाग्राज मंडल के मंत्री अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे,प्रधान अल्हवा,प्रधान बेलहत रमाकांत सिंह,उमाशंकर सिंह पटेल,बाबा सिंह,ने भी विचार व्यक्त किए और विधायक जी सराहना किया। संचालन भाजपा के नेता संजय सिंह पटेल ने किया। कार्यशाला में रामकृष्ण केशरी,रेवती आदि लोग हिस्सा लिए।

चंद्रमौलेश्वर धाम चनेथू में महादेव के जयकारे, भक्तों ने किया जलाभिषेक

जंघई। सावन के प्रथम सोमवार को चंद्रमौलेश्वर धाम चनेथू में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर शिवलिंग पर जल और दूध चढ़ाकर अभिषेक किया इस दौरान हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। शिव भक्तों ने भोलेनाथ के दर्शन किए और शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद, घी चढ़ाकर अभिषेक किया शिवजी को प्रिय भांग, धतूरा, बेलपत्र, फूल चढ़ाए गए। धूपबत्ती और घी के दीपक जलाकर आरती उतारी गई। मंदिर के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग गईं मंदिर के संस्थापक बबलू दुबे द्वारा मंदिर प्रांगण को विधिवत रूप से सुसज्जित किया गया है एवं भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार किया गया।

महिलाओं ने की शिव मंदिरों में पूजा- अर्चना

जारी। सावन मास के साथ ही पहले सोमवार को जारी कस्बे स्थित प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर सहित क्षेत्र के शिव मंदिरों में बम बम भोले के जयकारें गूंज उठे। शिवालयों में शिवलिंग का विशेष श्रृंगार कर जलाभिषेक किए गए। शिव मंदिरों में सावन माह के पहले सोमवार को विशेष पूजा अर्चना के साथ रुद्राभिषेक भी कराए गए अखंड ज्योति भी प्रज्जवलित की गई। लोगों ने शिवालयों में भगवान शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय और नंदी पर बिल्व पत्र, धतूरा, आकड़ा, पुष्प सहित अन्य सामग्री चढ़ाकर विशेष पूजन किया। सावन मास के दौरान बालिकाओं व युवतियों ने अच्छे वर व घर की मंगलकामना से व्रत का संकल्प धारण किया, वहीं महिला वर्ग ने भी घर में सुख-शांति व समृद्धि के लिए व्रत शुरूकिया। क्षेत्रवार सभी शिव मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रही। डाडो.स्थित शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

हर-हर बम बम के जयकारों से गूंज उठा मनकामेश्वर धाम

लालापुर। क्षेत्र के मनकामेश्वर धाम लालापुर में सावन के सोमवार को शिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही शिव भक्त हर-हर बम-बम के जयकारों से मनका मेश्वर धाम गूंजता रहा। भोर में चार बजे से ही कावंड़ियों का आना शुरू हो गया और देर शाम तक लगातार मंदिर परिसर शिवभक्तों की भीड़ से भरा रहा।प्रशासन को भीड़ काबू करने में बरसात में भी पशीने छूट गए।भोर से ही थानाध्यक्ष लालापुर अमित मिश्रा, शंकरगढ़ व बारा थाने की फोर्स के साथ ।कावंड़ियों को कोई परेशानी न हो इसके लिए लालापुर वासियों ने जगह-जगह पानी व नास्ते की व्यवस्था कर रखी थी। पुलिस प्रसाशन के साथ ग्राम प्रधान शंकर लाल पाण्डेय के साथ,आदित्य मिश्रा, मोहित मिश्र, बब्बू शुक्ल, मनोज, अमित भोले ने सहयोग प्रदान किया।

श्रावण के पहले सोमवार को लेकर शिवालयों में तैयारी...

संगम तट पर सोमेश्वर महादेव में स्वच्छता अभियान संग सुरक्षा का बंदोबस्त

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी श्रावण मास के पहले सोमवार पर शिवालयों में लगने वाली शिव भक्तों की भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर रविवार को व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में संगम तट के अरैल क्षेत्र में चंद्रदेव द्वारा स्थापित शिवलिंग सोमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आज स्वच्छता और सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान पूरे मंदिर परिसर की साफ सफाई की गई और मंदिर के पुजारियों, फूल विक्रेताओं, दुकानदारों समेत पूरे व्यवस्थापक मंडल ने पुलिस अधिकारियों से मिलकर सुरक्षा व्यवस्था का खाका तैयार किया। अग्नि पुराण में सोमेश्वर महादेव की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। जिसके मुताबिक महा गौतम ऋषि के श्राप से मुक्ति पाने के लिए चंद्रदेव ने रेल के संगम तट पर सोमेश्वर महादेव की स्थापना करके श्रावण मास में लगातार एक महीने तक चंद्र कुंड घाट पर स्नान करने के बाद सोमेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते थे जिससे उन्हें कुष्ठ रोग से मुक्ति मिल गई थी। आज भी इस मान्यता के तहत ब्लाक सावन मास में सोमेश्वर महादेव का दर्शन पूजन और जलाभिषेक करने के लिए आते हैं। इस शिवलिंग का दर्शन करने के लिए प्रयागराज के अलावा मिजार्पुर, रीवा, चित्रकूट, कौशांबी, जौनपुर, भदोही, प्रतापगढ़ और अमेठी तक से श्रद्धालु यहां आते हैं। सोमेश्वर महादेव में लगने वाली सोमवार को संभावित श्रद्धालुओं की भीड़ के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें क्षेत्र के लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम अधिकारी शुभेंदु घोष ने स्वयंसेवी ओ को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा के दरबार में आने वाले किसी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो इसका हर व्यक्ति को ध्यान रखना होगा। इस दौरान संतोष तिवारी, श्याम नारायण पाठक, कुमार जी तिवारी, मनीष कुमार पांडे, धीरज यादव, सुनील मिश्रा, सहदेव चौरसिया, ऋषि दीक्षित आत्मप्रकाश यादव ज्ञान प्रकाश मिश्रा ओम प्रकाश श्रीवास्तव प्रवीण तिवारी सोमनाथ मिश्रा कैलाश दत्ता समेत सैकड़ों लोग स्वच्छता अभियान में शामिल हुए।

हर हर महादेव से गुंजायमान हुआ कुंदौरा धाम, हजारों भक्तों ने किया जलाभिषेक

धनूपुर। प्राचीन श्री हरिहर धाम कुंदौरा मे सावन मास के प्रथम सोमवार को हजारों भक्तों ने भगवान शिव को जलाभिषेक किया एवं दूध, दही, शहद, गंगाजल, अक्षत, फूल, माला, प्रसाद आदि भोलेनाथ को अर्पित करके पुण्य लाभ की प्राप्ति किया भोर से जलाभिषेक का क्रम दिन भर चलता रहा जिसमें महिलायें बच्चें पुरुषों ने जलाभिषेक किया। इस अवसर पर मेले में कानून व्यवस्था का निरीक्षण करने एसडीएम हंडिया प्रेम नारायण, एसीपी हंडिया सुधीर कुमार एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे एवं भोलेनाथ का जलाभिषेक किया ।सरायममरेज एसएचओ योगेश सिंह द्वारा मेले की सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया जिसमें दर्जनों पुलिस के कांस्टेबल महिला कांस्टेबल, होमगार्ड के जवान मौजूद रहे। मान्यता है कि सावन माष के पुण्यकाल मे शिव की आराधना अत्यंत सुखदाई होता है देवो के देव महादेव तो अवघढ़दानी है क्षण मात्र मे जल चढ़ाने से प्रशन्न हो जाते है शिव की आराधना सभी को करना चाहिए।

नर्मदेश्वर धाम, भक्तों ने किया जलाभिषेक

प्रतापपुर। सावन मास में क्षेत्र के नर्मदेश्वर महादेव रस्तीपुर, खखैचा में भोर से ही शिव भक्तों द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाता है जलाभिषेक के पहले मंदिर के मुख्य अर्चक शशिभूषण त्रिपाठी द्वारा भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव का जल अथवा दूध से अभिषेक करने से भक्तों को बहुत लाभ होता है ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है धार्मिक कारणों से शिवलिंग पर जलाभिषेक के पीछे एक बड़ा कारण ये है कि भगवान शिव ने जब समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को पी लिया था तो वह उसकी गर्मी से वह तपने लगे थे तब उनकी गर्मी को शांत करने के लिए देवताओं ने जल, दूध, विभिन्?न फलों और सब्जियों का रस चढ़ाया था इससे शिवजी की जलन शांत हुई थी तभी से शिवलिंग पर जल, दूध आदि? चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई थी। इसलिए लोग सावन मास में अपनी कामनाओं के अनुसार भी शिवजी को विभिन्?न चीजों से अभिषेक करते हैं श्रावण मास में भगवान शिव के जलाभिषेक का महत्व बहुत होता है और इसके कई गुणा फल भक?तों को मिलते हैं ।शिव भक्तों द्वारा दूध, दही, रोरी, अक्षत, फल, फूल, मिष्ठान, भांग, धतूरा, गंगाजल चढ़ाकर जलाभिषेक किया जाता है ।सावन माह के पुण्यकाल भोर मे महादेव की आराधना अत्यंत सुखदाई होता है। देवो के देव महादेव तो अवघढ़दानी है क्षण मात्र मे जल चढ़ाने से प्रशन्न हो जाते हैं। नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के संस्थापक अवधेश चंद्र त्रिपाठी सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक एवं उनके पुत्रों सूर्यभूषण त्रिपाठी, चंद्रभूषण त्रिपाठी, शशिभूषण त्रिपाठी एवं पौत्रों राहुल त्रिपाठी, मंजूल त्रिपाठी, रंजन त्रिपाठी, चंदन त्रिपाठी, शिवांश त्रिपाठी द्वारा महादेव का पूरे मनोयोग पूर्वक पूजन अर्चन एवं सौंदर्यीकरण किया जाता है।

हर हर महादेव से गुंजायमान हुए शिवालय

सहसों। सावन के इस पावन महीने में प्रथम सोमवार को शिवालयों एवं घरों में भक्तों द्वारा भगवान भोलेनाथ की विधि विधान से धूप, दीप, नैवेद्य, बेलपत्र, रोली, चंदन, दही, दूध, गंगाजल से पूजन करते हुए जलाभिषेक एवं अन्य सामग्रियों से भगवान रुद्र का अभिषेक करते हुए हर हर महादेव एवं ओम नमः शिवाय के जाप से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर आचार्य पंडित दिनेश चन्द्र तिवारी एवं आचार्य ओम प्रकाश मिश्र ने शिव महिमा का बखान करते हुए बताया कि श्रावण माह में सोमवार का विशेष महत्व है। वार प्रवृत्ति के अनुसार सोमवार हिमांषु अर्थात चन्द्रमा का दिन है। चन्द्रमा की पूजा से स्वयं भगवान शिव को स्वतः ही प्राप्त हो जाती है क्योंकि चन्द्रमा का निवास भुजंग भूषण भगवान शिव का सिर ही है। रौद्र रूप धारी देवाधिदेव महादेव भस्माच्छादित देह वाले भूतभावन भगवान शिव जो तप-जप तथा पूजा आदि से प्रसन्न होकर भस्मासुर को ऐसा वरदान दे सकते हैं कि वह उन्हीं के लिए प्राणघातक बन गया। वह प्रसन्न होकर किसी को कुछ भी मनवांछित फल दे सकते हैं। उन्होंने कहा भगवान शिव पत्र-पुष्पादि से ही प्रसन्न हो जाते हैं। यदि थोड़ी सी विशेष पूजा का सहारा लिया जाए तो अवश्य ही भोलेनाथ की अमोघ कृपा प्राप्त की जा सकती है। यही नहीं शनि की दशान्तर्दशा अथवा साढ़ेसाती से भी छुटकारा प्राप्त करने के लिए श्रावण मास में शिव पूजन से बढ़कर और कोई श्रेष्ठ उपाय हो ही नहीं सकता है। जो भी श्रद्धालु भक्त नर-नारी भगवान भोलेनाथ की सच्चे हृदय से पूजा-पाठ, धूप, दीप, जप तप करता है उसको अवश्य मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। राम जानकी मंदिर व प्राचीन शिव मंदिर सहसों सहित क्षेत्र के बुढेश्वर महादेव मंदिर गुलालपुर, शिव मंदिर रामनगर, टहलू का शिवालय रामनाथ पट्टी सहित आदि मंदिरों में भक्तों द्वारा ओम नमः शिवाय एवं हर हर महादेव के नारों से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर राम जानकी मंदिर के प्रांगण में प्रदीप संगीत नाट्य अकादमी सहसों द्वारा एक अनोखी अर्धनारीश्वर की झांकी भी प्रस्तुत की गई।

खबर संक्षेप

हिस्ट्रीशीटर भाइयो पर दर्ज हुआ अवैध खनन का मामला

झूंसी। स्थानीय पुलिस ने एक मैजिक अवैध बालू के साथ चालक को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने चालक के साथ दो हिस्ट्रीशीटरो पर भी अवैध खनन सहित कई अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच जांच में जुट गई है। छतनाग घाट पर काफी समय से अवैध खनन की सूचना पुलिस को मिल रही थी। सोमवार की सुबह चौकी इंचार्ज छतनाग नवीन सिंह ने फोर्स के साथ घाट पर छापा मारा तो भगदड़ मच गई। मौके से भाग रही बालू लदी मैजिक को पुलिस ने चालक के साथ गिरफ्तार कर लिया। बाकि सभी मौके से भागने में कामयाब रहे। चौकी इंचार्ज की तहरीर पर चालक जितेंद्र शर्मा व हिस्ट्रीशीटर भाइयो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कोचिंग संचालक ने तीन छात्रों से ठग लिया 10.30 लाख रुपये

लखनऊ मेट्रो में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लिए रुपए, थमा दिया फर्जी ज्वाइनिंग लेटर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जार्जटाउन थाने में 10.30 लाख रुपए की ठरगी की एफआईआर हुई है। जिसमें एक कोचिंग संचालक ने लखनऊ मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर 3 छात्रों से इतनी बड़ी रकम ऐंठने का आरोप लगाया गया है। ठगी के शिकार हुए छात्रों को ठगी का पता तब चला, तब तक जो जॉइनिंग लेटर दिया था, उसकी तारीख निकल गई और उनकी जॉइनिंग नहीं हुई। उसके बाद छात्रों ने जार्जटाउन थाने में कोचिंग संचालक के खिलाफ एप्लीकेशन दी। पीके गाजीपुर जनपद औंतर्गत गहमर निवासी श्रवण सिंह पुत्र कैलाश सिंह ने जॉर्ज टाउन थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि रामबाग के सुंदरम टावर में 1 वर्ष पूर्व एक कोचिंग का संचालन होता था। इसी दौरान कोचिंग संचालक सुकुमार सर्किल निवासी ला उदर रोग जार्जटाउन से उसका संपर्क हुआ। श्रवण सिंह 1 साल तक कोचिंग करने के बाद अपने घर वापस चला गया था 1 दिन कोचिंग संचालक सुकुमार सरकेल ने श्रवण को फोन करके कहा कि उसका एक दोस्त लखनऊ मेट्रो में अधिकारी हो गया है। उसने रुपए के बदले लखनऊ में मेट्रो में नौकरी दिलाने का दावा किया। सुकुमार ने कहा कि कोई दोस्त हो तो उससे भी बात करा दो और प्रयागराज आकर मिलो। कोचिंग संचालक की बातों में फंस कर श्रवण सिंह अपने दो मित्र अमन श्रीवास्तव और अभिषेक कुमार राय के साथ प्रयागराज आया। यहां कोचिग संचालक सुकुमार से मिला। सुकुमार ने बताया कि तीन-चार दिन में जॉइनिंग लेटर मिल जाएगा। बदले में 10 लाख रुपए लगेंगे। तीनों ने मिलकर 6.30 लाख रुपए फोन पे के जरिए उसके खाते में जमा कर दिया। चार लाख रुपए नगद दिए। उसके बाद सुकुमार ने उन्हें फर्जी जॉइनिंग लेटर थमा दिया। जॉइनिंग की तारीख नजदीक आई तो बताया की डेट बढ़ गई है। जब जाना होगा तो बता देंगे। काफी दिन बीतने के बाद समान और अन्य छात्रं को सुकुमार पर शक हुआ। छात्रों ने जब अपने रुपए वापस मांगने लगे तो आनाकानी करने लगा। जब छात्रो ने दबाव बनाया तो वह धमकी पर उतर आया और कहा कि रुपए नहीं वापस करेगा, जो करना हो कर लो। जिससे परेशान होकर श्रवण कुमार ने जॉर्ज टाउन थाने में कोचिंग संचालक सुकुमार सरकेल के खिलाफ एप्लीकेशन दी। जॉर्ज टाउन थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि कोचिंग संचालक के खेलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

देश में संविधान बचाने की जरूरत : खाबरी

प्रयागराज। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। आलोपीबाग स्थित पटेल सेवा संस्थान में संविधान बचाओ संकल्प सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज देश की जनता को संविधान बचाने के लिए आगे आना चाहिए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि जिले से शुरू हुई संकल्प सभा अगले 60 दिनों में पूरे प्रदेश में आयोजित की जाएगी। वहीं आरोप लगाते हुए कहा की देश में मोदी सरकार भारत के संविधान को ही बदलना चाहती है। नरेंद्र मोदी व अमित शाह अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग को मिल रहे आरक्षण को खत्म कर देना चाहते हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि देश की जनता को संविधान बचाने के लिए आगे आना चाहिए। वहीं संगठन की मजबूती के लिए जिला शहर कमेटी को बूत स्तर पर कमेटी बनाने के लिए भी कहा। इस दौरान अध्यक्षता शहर कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमान, संचालन यमुनापार अध्यक्ष अरुण तिवारी और समापन आभार गंगापार अध्यक्ष सुरेश यादव ने किया। इस मौके पर संजय तिवारी, वसीम अंसारी, उज्वल शुक्ला, करमचंद बिन्द, हसीब अहमद, राजेश राकेश, सत्या पाण्डेय, सुभाष यादव, धर्मेंद्र निषाद, रईस अहमद, अल्पना निषाद, ओपी तिवारी, दिनेश सोनी, रामकिशुन पटेल, अरशद अली, राममनोरथ सरोज, आर.के. गौतम, शाहनवाज असलम, राकेश पटेल, नयन कुशवाहा, लाल सिंह पटेल, निशांत रस्तोगी, राकेश श्रीवास्तव, अंशुमान सिंह पटेल, समीर पासी, संजय पासी, दिवाकर भारतीय, मो. हसीन, तबरेज अहमद समेत आदि लोग मौजूद रहें।

न्यूज झरोखा

चुंगी से झूंसी तक जाम से निकलने में जूझते रहे लोग

झूंसी। वाराणसी मार्ग वनवे होने की वजह से सावन मास के प्रथम सोमवार को चुंगी से लेकर झूंसी तक वाहन रेंगते नजर आए। पुलिस की मुस्तैदी की वजह से जाम तो नहीं लगा लेकिन 5 मिनट का सफर लोगों ने 20 मिनट में तय किया। सावन में कांवर यात्रा की वजह से वाराणसी प्रयागराज मार्ग को वनवे कर दिया गया है। सावन मास के प्रथम सोमवार को स्कूल, दफ्तर जाने वालों के साथ शिवालयों में दर्शन पूजन को लोग निकले तो झूंसी और चुंगी की ओर जाम लगने लगा। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने आड़े तिरछे घुस रहे वाहनों की एक लाइन लगवाई तो धीरे-धीरे वाहन खिसकने लगे यह आलम पूरे दिन चला झूंसी से लेकर शास्त्री ब्रिज व चुंगी तक वाहन रेंगते नजर आए। जाम में फंसे झूंसी के मनोज मिश्रा बच्चों को स्कूल से लेकर घर आ रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस इसी तरह मुस्तैद रहेगी तो बहुत अधिक परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

फ्लाईओवर बाईपास मार्ग छात्रों के लिए बना जानलेवा

भीरपुर एवं पचदेवरा फ्लाईओवर के साइड का रास्ता पूरी तरह ध्वस्त चोटिल हो रहे हैं छात्र

करछना। क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग को समाप्त कर बनाए जा रहे फ्लाईओवर का कार्य वर्षों से चल रहा है जो अभी अधूरा है जिसके आवागमन के लिए ओवर ब्रिज के नीचे साइड में कच्चा मार्ग बनाया गया है जिससे लोगों का आवागमन वर्षों से उबड़ खाबड़ रास्तों से गुजरना उसकी मजबूरी बन गई है जुलाई सत्र में प्राथमिक जूनियर हाई स्कूल इंटर छोटे बड़े सभी विद्यालयों के खुल जाने से छात्रों का आवागमन बढ़ गया है तथा वहीं स्कूलों में लगी बैन वाहन बड़े-बड़े गड्ढों में फ्लाईओवर के बगल पलटने की आशंका बनी हैं जिससे छात्रों को चोटिल होने की आशंका बरकरार है स्थानीय लोगों ने रेल विभाग एवं स्थानीय प्रशासन को इस आशय की जानकारी से अवगत कराते हुए तत्काल फ्लाईओवर के दोनों तरफ रास्ते को दुरुस्त कराए जाने की अपील की है पूर्व प्रधान नीबी सोनू पांडे ने बताया कि अधिकांश स्कूलों में छोटी-बड़ी गाड़ियां बच्चों को ले जाती हैं जो अक्सर पलटने की आशंका से कभी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

अप्रेंटिस मेले में लगभग 200 प्रतिभागियों का चयन किया

नैनी। नैनी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आप्रेंटिस मेले का आयोजन प्रधानाचार्य एस के श्रीवास्तव के नेतृत्व में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज में किया गया। मेले का आरंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया अप्रेंटिस मेले में टाटा मोटर्स लिमिटेड लखनऊ , आमदनी प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद , प्रयागराज पावर जनरेशन कंपनी , एनटीपीसी मेजा प्रयागराज इत्यादि कंपनियों ने प्रतिभाग किया ।इसमें 340 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें लगभग 200 प्रतिभागियों का चयन किया गया इस अवसर परअमृत लाल गुप्ता , राकेश शर्मा , एस प्रसाद , रामसमुझ , नगीना सिंह , सुशीला , मोहम्मद मुस्तफीज सिद्धकी , मीडिया प्रभारी नंदकिशोर बिंद , फुल प्रकाश , रश्मि श्रीवास्तव , भोलानाथ , सूर्यमणि , संजय दुबे , मोहम्मद उमर कादरी , प्रदीप भूषण पंडित , प्रभाकर सिंह ,अमित वर्मा ,रश्मि श्रीवास्तव , रंजना शुक्ला , राजकुमार मौर्य अमित वर्मा , संजीव जायसवाल, धीरज शर्मा ,अपरेंटिस दिलीप मिश्रा पवन कुमार इत्यादि के अलावा संस्थान के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे । यह जानकारी मीडिया प्रभारी नंदकिशोर बिंद दिया।

संचारी रोगों के प्रति सावधान रहें : मनीष

करछना। संचारी रोगों का समय से इलाज न किए जाने पर यह जानलेवा भी हो सकते हैं। सबसे पहले उनसे बचाव के उपाय जरूरी हैं, और यदि ऐसे रोग से कोई प्रभावित हो तो अच्छे चिकित्सक से परामर्श और इलाज लेना जरूरी है। यह बातें क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों के बीच प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कही। प्रवक्ता प्रदीप कुमार ने बताया कि मच्छरों के चलते बारिश के शुरूआती दौर में बीमारी फैलने का भय अधिक बना रहता है इससे चिकनगुनिया,डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने की आशंका रहती है। शिक्षक मोहम्मद परवेज सिद्दीकी ने बच्चों से अपने घरों,कमरों,आसपास की नालियों की साफ-सफाई और स्वच्छता पर जोर दिया। बच्चे इसके प्रति स्वयं सावधान रहें एनसीसी अधिकारी रमेश चंद्र तिवारी ने एनसीसी के बच्चों को विशेष रूप से इस अभियान से जुड़ते हुए और लोगों से इसके प्रति जानकारी को शेयर करने और जागरूकता पर बल दिया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अज्ञात चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

सिरसा। मेजा क्षेत्र के बिसहिजन गांव के समीप अज्ञात चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। जबकि साथ मे रहा एक युवक ने एम्बुलेंस को फोन किया लेकिन देर तक एम्बुलेंस नही पहुचीं जिससे साथ रहे युवक व स्थानीय लोगो ने आनन-फानन में तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया। जहां हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर लिए। तो निजी वाहन से शहर की ओर अस्पताल भिजवाया गया।मिली जानकारी के अनुसार मांडा थाना क्षेत्र के आंधी गरेथा निवासी रियाज अली पुत्र सुबराती अली बाइक परिवार के ही युवक लियाकत के साथ बाइक से मेजारोड की तरफ जा रहा था । कि जैसे ही वह मेजा थाना क्षेत्र के बिसहिजन गांव के समीप पहुंचा ही था कि अज्ञात कार ने टक्कर मार दिया। जिससे सिर में गंभीर चोट लगने से रियाज गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि साथ रहा लियाकत छिटक कर दूर जा गिरा। लियाकत ने एंबुलेंस को फोन किया लेकिन समय से एंबुलेंस नहीं पंहुची तो देर होते देख साथ रहा युवक व स्थानीय लोगों ने गंभीर युवक को बाइक ठेलिया से नजदीकी अस्पताल ले गए जहां हालत गंभीर देख डाक्टरों ने हाथ खड़े कर लिए। सूचना पर पहुंचे घर के दो युवक उसे प्राइवेट वाहन से शहर अस्पताल की ओर लेकर भागे। तब तक भी एंबुलेंस नहीं पंहुची थी। युवक के सिर में ज्यादा चोट के लगने से उसकी हालत गंभीर बताई गई।

संगम क्षेत्र में स्वयंसेवी संस्था ने किया अन्न दान

प्रयागराज। शिव जी के पवित्र मास श्रावण के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर आज संगम क्षेत्र स्वयंसेवी संस्था पारस फाउंडेशन के तत्वाधान में क्षेत्र के असहाय लोगों, घुमंतू परिवारों, बच्चों में अन्न, एवम फल वितरण किया गया। वितरण करने वालों में मधुमिता नाथ, सुभाष तिवारी, अरुण निषाद, शुभेंद्र पांडेय समेत अन्य उपस्थित रहे।

सड़क चौड़ीकरण जनहित के विपरीत न्यायालय के आदेश का उलंघन

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी अरैल क्षेत्र मे गगा-यमुना तट बंधारोड के चौड़ीकरण को लेकर सामाजिक संगठनों एवं समाजसेवियों की आपत्ति के बावजूद प्रशासन प्राकृतिक सौन्दर्य एवं पर्यावरण को नष्ट करने पर आमादा लगता है। वैसे भी बंधा सड़क चौड़ीकरण उच्च न्यायालय के आदेश का उलंघन है गंगा महासभा के जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय द्वारा मंडलायुक्त को दिये ज्ञापन के अनुसार प्रयागराज की सबसे खूबसूरत सड़को मे शामिल यह सड़क नदी व वृक्षों की सुन्दरता से जानी व पहचानी जाती है। चौड़ीकरण की वजह से यह सारे वृक्ष कट जायेगे, जबकि नये पौधे इस तरह तैयार होने मे दसो वर्ष लग जायेगे। उन्होने बताया कि रोड के किनारे लगे वृक्ष महायोजना 2021 मे वर्णित हरित पट्टिका और उच्च

गंगा-यमुना तट पर पेड़ कटने से होगा पर्यावरण प्रभावित

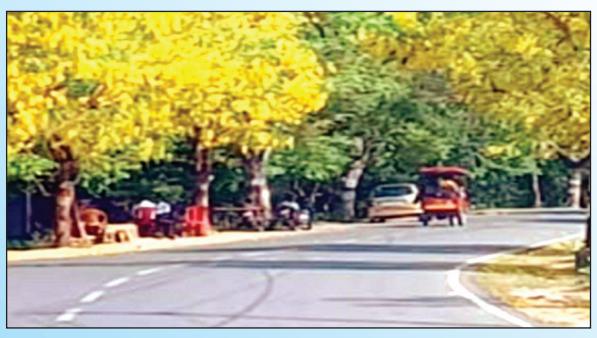

न्यायालय के आदेशो से किया गया है। इस ग्रीनपट्टी के वृक्षो पर काफी संख्या मे पक्षियों को भोजन व आश्रय मिलता है। इस रोड के चौड़ीकरण के उपरान्त भारी वाहनों के आवागमन से संगम क्षेत्र मे प्रदूषण बढ़ जायगा। न्यायालय के प्रतिबन्ध के बावजूद स्थाई निर्माण तथा व्यासायीकरण को रोक पाने मे प्रशासन असमर्थ हो सकता है। यह भी कहा गया है कि कुम्भ के समय पुराने पुल से लेकर डीपीएस स्कूल तक मेलाक्षेत्र का विस्तार रहता है ऐसे मे श्रद्वालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मेला क्षेत्र को संकुचित करना उचित नही है। बंधा बन जाने से बाढ़ के पानी का फैलाव कम करके भूमिगत जलस्तर को बढ़ने से रोकना जनहित मे नही होगा। पत्र मे बताया गया कि उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल 2011 के आदेशानुसार प्रयागराज के पुराने पुल से डीपीएस तक रोड का चौड़ीकरण न्यायालय के आदेश का उलंघन एवं अवमानना होगी। यह भी कहा गया है कि गंगा संरक्षण मंत्रालय की अधिसूचना 7 अक्टूबर 2016 के तहत जल शक्ति मंत्रालय मे निहित धारा 6 (3) के अनुसार कोई भी व्यक्ति गंगातट अथवा बाढ़ के मैदानी क्षेत्र मे आवासीय, वाणिज्यिक व अन्य किसी प्रयोजन हेतु स्थाई अथवा अस्थाई संरचना का निर्माण नही कर सकता। गंगा महासभा ने मंडलायुक्त सहित प्रदेश सरकार के सम्बन्धित मंत्री एवं स्थानीय अधिकारियों को पत्र भेजकर अपील की है कि ऐसे प्रस्ताव पर पुनर्विचार करे जिससे जनता की भलाई के साथ ही न्यायालय के आदेशों का पालन भी हो सके।

कांग्रेस प्रदेश का किया गया जोरदार स्वागत

सहसों। कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं ने बाबूगंज में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य अशफाक अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का फूल मालाओं से अभिनंदन करते हुए जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष खाबरी ने सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए अपने संबोधन में कहा कि देश में भ्रष्टाचार गुंडागर्दी महंगाई के लिए सिर्फ भाजपा जिम्मेदार है। जब तक कांग्रेस पार्टी का शासन देश में नहीं होगा देश और प्रदेश में खुशहाली नहीं होगी ना ही अमन चैन कायम हो सकेगा। इस मौके पर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य अशफाक अहमद ने कहा कि रासायनिक खादों की कीमत आसमान छू रही हैं, जीवन रक्षक दवाइयां गरीबों के पकड़ से बाहर हैं। दाल सब्जियों एवं खाद्य सामग्रियों की बढ़ी हुई कीमतें जनता को भरपेट खाना नहीं दिला पा रही है। डॉ जगत नारायण सिंह ने कहा कि संविधान तार तार हो गया है कानून व्यवस्था चरमरा गई है देश में गुंडाराज हैं। पुलिस का अपराध पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष पार्टी है जहां जात बिरादरी संप्रदाय का कोई मतलब नहीं होता। अब जरूरत है देश को मंदिर मस्जिद धर्म संप्रदाय से हटकर विकास, शिक्षा और रोजगार के लिए काम करने की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता देवराज उपाध्याय, रश्मिता दुबे, आरती राकेश, शमशेर बहादुर पटेल, गोविंद सिंह चंदेल, अमन मिश्रा भीम, सुभाष चंद्र, गिरधारी लाल सरोज, तहजीब उल हसन, मोहम्मद यूसुफ, सलीम टाइगर, इकराम प्रधान, समसुल कमर, मोहम्मद सद्दाम, मोहम्मद अरमान, मोहम्मद सलमान, समीर गौतम, समीम प्रधान, सुरेंद्र यादव सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

अरैल तट के बांध रोड पर सावन के प्रत्येक सोमवार को होती है गहरेबाजी बड़ा गहरा है गहरेबाजी का इतिहास

अखंड भारत संदेश

सावन में घोड़ो की दौड़ खेल की अद्भुत परंपरा

नैनी। नैनी क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष सावन के हर सोमवार को घोड़ो की विशेष दौड़ होती है,जिसे गहरेबाजी कहते है। यह परंपरागत दौड़ दशकों से नैनी के अरैल में बांध रोड पर चली आ रही है। गहरेबाजी यहाँ के लोगो द्वारा किया गया महंगा शौक है जिसमे घोड़ो की दौड़ ,उनकी चाल का कलात्मक सौंदर्य शामिल है इसके लिये साल भर घोड़ो को प्रशिक्षण देकर सावन में गहरेबाजी की प्राचीन परंपरा को अंजाम दिया जाता है। प्रयागराज के साथ नैनी में भी इस परंपरा को हर साल सावन के सोमवार को बांध रोड पर देखने को मिलता है जहाँ शहर के प्रत्येक कोने से लोग इस गहरेबाजी का मजा लेते है। इस सोमवार को भी गहरेबाजी का आयोजन नैनी के नए पुल के बांध रोड पर हुआ जिसमें शहर के कई गहरेबाज शामिल हुए। गहरेबाजी को देखने के लिये बड़ी भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। क्या है गहरेबाजी और इसका इतिहास। सावन माह में ऋषि काल से लेकर मुगल काल तक में गहरेबाजी की परंपरा निरंतर चल रही थी। महाराज हर्षवर्धन के शासनकाल में यह चरमोत्कर्ष पर पहुंच गया था। आजादी के बाद ट्रैफिक बढ़ता गया तो समय-समय पर रूट चेंज किया गया। लेकिन परंपरा का निर्वहन आज के दौर में बखूबी किया जा रहा है।

जनपद के शीर्ष नेतृत्वकर्ताओं से नाराज सपाइयों ने किया प्रतापपुर संघर्ष मोर्चा का गठन

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। सपा के सक्रिय कार्यकताओं को पार्टी में तवज्जो देने के बजाय मनमाने तरीके से अन्य लोगों को विभिन्न पदों पर मनोनीत करने से नाराज सपा के वरिष्ठ कार्यकताओं ने सोमवार को प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के छतौना गांव में बैठक कर अपनी नाराजगी जताई। जिला कार्यकारिणी सदस्य राम प्रताप यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में सपाइयों ने गंगापार जिलाध्यक्ष पर गैर सपाइयों को पार्टी में पद देने का आरोप लगाया। कार्यकताओं ने बताया की संघर्षशील कार्यकताओं व नेताओं को दरकिनार कर संगठन को कमजोर करने की साज़िश की जा रही है। इस दौरान सपा कार्यकताओं द्वारा गंगापार जिलाध्यक्ष अनिल यादव व प्रतापपुर विधानसभा संगठन के खिलाफ सर्वसम्मति से प्रतापपुर संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया। वरिष्ठ नेता हरिशंकर लोहिया ने कहा की जनपद का नेतृत्व करने वाले ही पार्टी को नुकसान पहुचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा की जल्दी ही वो इसकी शिकायत अखिलेश यादव से करेंगे।वही सपा नेता एडवोकेट बलराम यादव ने कहा की कार्यकताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संचालन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष योगेश पाल ने किया। जिला पंचायत सदस्य उत्तम यादव व अवधेश यादव के साथ ही बब्बू प्रधान ने भी कार्यकताओं की अनदेखी करने पर अपनी नाराजगी ब्यक्त की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रंगी लाल यादव,अवधेश यादव, राजेश यादव, बाबा शोरों, कृपा शंकर यादव ,एड.मास्टर देवराज यादव, चंद्रजीत यादव, दिनेश यादव, प्रदीप यादव, सुभाष हौंडा, रमाशंकर एड, सुफियान खान, अमित यादव सहित सैकड़ों की संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतापपुर के छतौना गांव में बैठक करते सपाई

करछना ब्लाक मुख्यालय पर जन सुनवाई में विधायक ने सुनी जनसमस्याएं

अखंड भारत संदेश

करछना। विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद सोमवार को करछना ब्लॉक मुख्यालय पर लोगों की जन समस्याएं सुनी और निस्तारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया तथा उन्होंने कहा जनता की समस्याएं अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारण किया जाए उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या गांव में अतिक्रमण को लेकर शिकायतें ज्यादा बनी हैं जिससे गांव में लड़ाई झगड़ा के साथ-साथ विकास कार्य भी अवरुद्ध पड़े हैं राजस्व विभाग के अधिकारियों को गांव से आने वाली समस्याओं को तत्काल गंभीरता से लेते हुए निस्तारण कराने के दिशा निर्देश दिए इस मौके पर प्रधान महेवा शिवराम प्रधान सहित दर्जनों प्रधान गांव में अतिक्रमण को लेकर गांव में कयी सरकारी योजनाएं बाधित हैं, विकास कार्य को लेकर विधायक के पटल पर समस्या रखी जिसको राजस्व विभाग को निर्देशित किया गया ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता लाए जाने के लिए विशेष तौर पर बल दिया प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों को संबोधित करते हुए बताया कि मुझसे जो हो सकेगा हर संभव प्रयास करके लोगों की समस्याएं निस्तारण करने में कोई कोर कसर नहीं रखेंगे इस अवसर पर प्रमुख लोगों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना अधीक्षक डॉ बीके सिंह कुशवाहा, सुरेश पांडे प्रधान प्रतिनिधि, नन्हे पांडेय,सजय, शिव राम, प्रधान खजुरौल संदीप यादव, प्रधान रामगढ़ कमलाकांत शुक्ला सहित करीब कई दर्जन प्रधान बीडीसी सदस्यों ने समस्या लेकर विधायक के समक्ष रूबरू हुए, जिसके निस्तारण कराए जाने का विधायक ने आश्वासन दिया।

श्रीनाथ तिवारी इंटर कालेज में शिक्षक संगठन द्वारा आयोजित हुआ समारोह

अखंड भारत संदेश

सिरसा। मेजा क्षेत्र के अंतर्गत ब्लाक उरुवा ग्रामपंचायत खानपुर श्री नाथ तिवारी इंटर कालेज में आयोजित समारोह में शिक्षक संगठन द्वारा जनसेवा,सनातन परंपराओं को संजोने और यमुनापार क्षेत्र में विकास का अलख जगाने के लिए भाजपा नेता हरिकृष्ण शुक्ल को सम्मानित किया गया। इस अवसर कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रदेश सरकार ने राज्य मंत्री अभय नारायण प्रताप सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा नेता आचार्य हरिकृष्ण शुक्ल ने कहा कि यमुनापार क्षेत्र का आध्यात्मिक और राजनीतिक महत्व वाला क्षेत्र है और इसकी महत्ता प्राचीन काल मे तो थी ही आधुनिक काल मे इसका महत्व कम नहीं हुआ है बस केवल जरूरत है जागरूकता की। इस मौके पर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री और आचार्य हरिकृष्ण शुक्ल के आराम शिष्य अभय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि यहां आकर मैं धन्य हो गया। श्री सिंह ने कहा कि गुरु जी आचार्य शुक्ल का सानिध्य फलदायक है और यहां मैं बार बार आना चाहूंगा। राज्य मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र को आचार्य हरिकृष्ण शुक्ल की जरूरत है। सम्मान समारोह में आए हुए अतिथियों का धन्यवाद प्रबंधक श्री विजय कुमार तिवारी जी ने दिया, कार्यक्रम में पंकज तिवारी प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय वित्तविहीन विद्यालय संगठन, गंगा नाथ, प्रमोद कुमार तिवारी, शैलेंद्र कुमार तिवारी एडवोकेट, प्रवीण कुमार एडवोकेट, सुनील कुमार एडवोकेट, दिलीप सिंह एडवोकेट, शिक्षक संतोष कुमार पांडे, राजकुमार पांडे, अभिषेक गौड़, नंदकुमार आदिवासी, शुभम द्विवेदी, प्रभात तिवारी, रहमान,एवं कालेज के पदाधिकारी मौजूद रहे।

घर में घुसकर विवाहिता के साथ दुराचार का प्रयास विफल

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के राजा का पुरवा कडरौ गांव में सोमवार की दोपहर लगभग तीन बजे घर में अकेली विवाहिता जो दो बच्चों की मां है जिसके पति परदेश में कमाने के लिए गये हुए हैं। दोपहर घर मे अकेली पाकर गांव के दो बच्चों का युवक घर मे घुस गया और विवाहिता के साथ दुराचार करने का प्रयास किया, जिसमें महिला अपनी इज्जत बचाने के लिए घर से भागी और पुलिस को फोन किया जिसे पुलिस थाने ले गयी और मेडिकल के लिए सीएचसी कालाकांकर भेजा, जहां मेडिकल के बाद पुलिस ने पीड़िता महिला की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इस बाबत पूछे जाने पर थाना प्रभारी सुधीर कुमार सोनी ने बताया कि पीड़ित महिला ने घटना की तहरीर दी है, जिसे मेडिकल के लिए भेजा गया है। घटना की जाँच पड़ताल के बाद जो भी सच्चाई सामने आएगी, विधिक कारवाई की जाएगी।

गैस टैंकर की टक्कर से टेम्पो सवार 12 लोगों की मौत, कई की हालत नाजूक घायल

मृतकों को मुख्यमंत्री की ओर से दो-दो लाख देने की हुई घोषणा

चकनाचूर टेम्पो में फंसे शवों को निकालते लोग।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सोमवार की अपरान्ह तीन बजे प्रतापगढ़ से सवारी भरकर जेठवारा जा रहा एक टेम्पो सुखपाल नगर के पहले सकरनी पुल के पास मौत बनकर आई एक गैस टैंकर से टकराकर पलट गया, जिसमें टेम्पो में बैठी एक महिला व एक आठ साल की बालिका सहित नौ लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में टेम्पो चालक सचिन सरोज भी शामिल है जो जेठवारा क्षेत्र के भैरोपुर का रहने वाला बताया जाता है। वह टेम्पो खरीदकर सवारी ढोकर अपने परिवार का पेट पाल रहा था लेकिन गैस टैंकर की चपेट में आने से उसकी भी दुखद मौत हो गई। इस दुर्घटना में सात लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिये एम्बुलेंस से प्रताप बहादुर अस्पताल लाया गया है। घायलों में सब्जी लेने निकला एक व्यक्ति भी घायल हुआ है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। पुलिस और प्रशासन के लोग घटना स्थल पर पहुंचकर सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। समाचार भेजे जाने (शाम साढे.पांच बजे) मृतकों व घायलों की पहचान नहीं हो सकी थी। वैसे ज्यादातर मृतक व घायल मोहनगंज व जेठवारा के बताये जाते हैं। दुर्घटना की सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताते हुए मृतकों को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता की घोषणा की है। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी प्रकाष चंद्र श्रीवास्तव सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे थे।

टेम्पो चालक सहित उजड़ गया मृतकों का घर

दो वर्ष पहले हुई थी टेम्पो चालक की शादी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सवारियों से भरी जो टेम्पो आज गैस टैंकर की भेंट चढ़ गई, उससे टेम्पो चालक का परिवार अनाथ सा हो गया है। 26 वर्षीय सचिन सरोज का दो वर्ष पूर्व विवाह हुआ था। उसने टेम्पो खरीदकर अपने घर-परिवार का पालन-पोषण करना चाहा लेकिन लगता है कि भगवान को मंजूर नहीं था और आज उस टेम्पो चालक की भी गैस टैंकर के पलटने से मौत हो गई है।

वैसे तो एक महिला और एक बच्ची भी मरी है लेकिन अभी तक उसका पता नहीं चला है। घटना स्थल पर पहुंचे जिलाधिकारी ने कहा कि टेम्पो में लगभग 14 लोग सवार थे, जिसमें से नौ की मौत हुई है। शेष घायल हैं। टेम्पो के पचखरे उड़ गये हैं। घटना स्थल पर भारी भीड़ लग गई थी जिसे पुलिस ने हटाया। पुलिस ने ही एम्बुलेंस का इंतजाम कर मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा। अब मृतकों के घरों का धीरे-धीरे पुलिस को पता लगना शुरू हुआ है। देर रात तक मृतकों को पहचानने का सिलसिला जारी रहा। ज्यादातर लोग मोहनगंज और जेठवारा क्षेत्र के बताए जाते हैं। पुलिस ने सभी घायलों को अज्ञात के रुप में भर्ती किया था जिसे प्रयागराज भेज दिया गया है। इस बड़ी घटना पर सभी अचंभित हैं। ओवरलोड गैस टैंकर की लापरवाही से ही इतनी बड़ी घटना हुई है।

घटना स्थल पर जुटी पुलिस व लोगों की भीड़।

असफलताएं छिपाने के लिए मोदी सरकार जनता का ध्यान बंटाने में जुटी: प्रमोद तिवारी

राज्यसभा सदस्य ने श्रावण के पहले सोमवार को बाबा धाम में टेका मत्था

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने सोमवार को लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय पर जनसमस्याओं की सुनवाई की। कांग्रेस सांसद कार्यकताओं से रूबरू होते हुए बीजेपी की केन्द्र सरकार की नाकामियों पर हमलावर दिखे। वहीं राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने श्रावण के पहले सोमवार पर बाबा घुइसरनाथ धाम पहुंचकर जलाभिषेक के साथ मत्था टेका।

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि इस समय केन्द्र की मोदी सरकार की असफलताओं के चलते देश का हर तबका परेशान व अपने को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। श्री तिवारी ने कहा कि यूसीसी के मुददे पर अगर सरकार ने चुनावी लाभ की गोटे बिछाने का प्रयास किया तो विपक्ष इस राजनैतिक हथकण्डे का माकूल जबाब देगा। उन्होने कहा कि कांग्रेस विपक्ष का सामूहिक नेतृत्व करते हुए संसद से लेकर हर मोर्चे पर देश के हर समुदाय तथा वर्ग की सुरक्षा के लिए जबाबदेह संघर्ष की भूमिका निभायेगी। वहीं उन्होंने कैम्प कार्यालय पर लोगों की समस्याओं की भी सुनवाई करते हुए निराकरण कराए जाने का भरोसा दिलाया। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी श्रावण के पहले सोमवार पर बाबा घुइसरनाथ धाम पहुंचे। यहां उन्होने बाबा का जलाभिषेक करते हुए मत्था टेका। बाबा धाम में कांवड़िया श्रद्धालुओं के जत्थे मे शामिल मंदिर परिसर मे मौजूद शिवभक्तों को प्रमोद तिवारी के द्वारा बाबा के अरघे के चांदी से सौन्दर्यीकरण कराए जाने की भी प्रसन्नता दिखी। श्री तिवारी ने बाबा धाम में श्रावण तथा अधिमास को लेकर यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर स्वयंसेवको व कार्यकताओं से सेवाभाव को मजबूती से बनाए रखने को कहा। इस मौके पर सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्लू, प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आशीष उपाध्याय, पूर्व प्रमुख ददन सिंह, केडी मिश्र, सभासद शेरू खान, विकास मिश्र, देवी प्रसाद मिश्र, सुधाकर पाण्डेय, डा. अमिताभ शुक्ल, आचार्य शिवमूर्ति शास्त्री, पप्पू तिवारी, दिनकर पाण्डेय, छोटे लाल सरोज, त्रिभु तिवारी, कुंवर ज्ञानेन्द्र सिंह, छोटे सिंह, भुवनेश्वर शुक्ल, राकेश चतुवेर्दी, अधिवक्ता प्रमोद तिवारी, अजय शुक्ल, मुरलीधर तिवारी, शास्त्री सौरभ, प्रभात ओझा, द्दगपाल यादव, रामकृपाल पासी, सभासद पन्ने लाल पाल, सिंटू मिश्र, धीरेन्द्र पाण्डेय, लल्लन सिंह, रिंकू सिंह परिहार, महेन्द्र सिंह, पवन शुक्ला, रामबोध शुक्ल, आदि रहे।

घुइसरनाथ धाम में श्रावण के सोमवार पर दर्शन पूजन करते प्रमोद तिवारी।

बाबा की नगरी में उमड़ी शिव भक्तो की भीड़

सावन के पहले सोमवार को शिवमय दिखा घुइसरनाथ धाम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सावन के पहले सोमवार के दिन बाबा घुइसरनाथ धाम में शिव भक्तों का अपार जन सैलाब जलाभिषेक के लिए भोर से ही आतुर दिखाई दिया। श्रद्धालु कतार में खड़े होकर अपनी बारी का उत्सुकता से इंतजार करते दिखाई दिए। मंदिर का कपाट खुलते की हर-हर महादेव से पूरा घाम गुंजायमान हो गया।

स्थानीय तहसील स्थिति पौराणिक बाबा घुइसर नाथ धाम में सावन के पहले सोमवार के दिन दूर-दराज से आए भक्तो की अपार भीड़ से पूरा मंदिर क्षेत्र भगवामय दिखाई दिया। हजारों की संख्या में गंगा घाट से जल लेकर आए कांवड़ियों का समूह भोर से ही शिव को जलाभिषेक करने के लिए कतार में खड़ा होकर अपनी-अपनी बारी का इंतजार कर रहा था, जैसे ही मंदिर का कपाट खुला की श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ जलाभिषेक करना शुरू कर दिया। कांवड़ियों के साथ आए अन्य भक्तों ने भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर मन्नतें मांगी। धाम के चारो तरफ कांवड़ियों का समूह देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानो भगवा रंग से पूरे धाम को रंग दिया गया हो। चारों दिशाएं हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो रहा था। वहीं अपार भीड़ को देखते हुए सई तट से लेकर पूरे मंदिर क्षेत्र में किसी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसको देखते हुए प्रशासन भी मुस्तैद दिखाई दिया।

नहीं दिखी पुरानी परंपरा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। धाम में श्रद्धालु पहले मिट्टी के बर्तन से शिव को जल अर्पित करते थे, लेकिन अब बदले परिवेश में भक्त मिट्टी के बर्तन को भुला बैठे और वह पीतल व तांबे के बर्तन का उपयोग करते दिखाई दिए। मिट गई पुरानी परंपरा को आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मात्र याद ही रह जायेगी बाबा धाम में मिट्टी से बने कुचरी से जलाभिषेक करने की।

22 जुलाई तक निःशुल्क खाद्यान्न का होगा वितरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया है कि माह जुलाई 2023 के सापेक्ष राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 11 जुलाई से 22 जुलाई तक खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण ई-पॉस मशींन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जायेगा। इस अवधि में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रतिकार्ड 14 किग्रा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक को प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 चावल का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न होने की स्थिति में कार्डधारक मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि अर्थात 22 जुलाई को खाद्यान्न प्राप्त कर सकेगें। खाद्यान्न के वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। वितरण के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत उप जिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी से जा सकती है।

डा0 संयम कुलश्रेष्ठ ने पास की मास्टर ऑफ सर्जरी ऑर्थोपेडिक की परीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। डॉक्टर संयम कुलश्रेष्ठ पुत्र डाक्टर ए के कुलश्रेष्ठ ने भारत के प्रसिद्ध लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज न्यू देल्ही से मास्टर ऑफ सर्जरी ऑर्थोपेडिक की परीक्षा पास कर ली, जिसका परिणाम आज ही प्रकाशित हुआ है। डॉक्टर संयम ने एमबीबीएस देश के प्रसिद्ध मेडिकल कॉलेज केजीएमसी लखनऊ से की उसके बाद नीट की परीक्षा मे अच्छी मेरिट ला कर लेडी हार्डिंग मेडिकल जांच में एम एस ऑर्थोपेडिक में एडमिशन मिला। डॉक्टर संयम का जन्म प्रतापगढ़ में हुआ और सेंट जोन्स स्कूल से अपर केजी करने के बाद ब्वॉयज स्कूल से हाई स्कूल और फिट १२ की परीक्षा महाशी पतंजली प्रयागराज से की। डाक्टर संयम ने अमेरिका की पीजी की परीक्षा ेन्डस्- भी पास कर ली है और आगे पढ़ने के लिए अमेरिका जाने वाले है। डाक्टर संयम के पिता प्रतापगढ़ जनपथ के मशहूर कान नाक गला विशेषज्ञ है और अभी इसी जनपथ में अपनी सेवा दे रहे है। डॉक्टर संयम की इस सफलता से आल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन प्रतापगढ़ इकाई के डाक्टरों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है। खुशी जाहिर करने वालों में जनपद के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर आर के सिंह, डॉक्टर अतुल श्रीवास्तव, डॉक्टर रवि श्रीवास्तव, डॉक्टर शिव मूर्ति लाल मौर्य, डॉक्टर मनोज खत्री, डॉक्टर आलोक सक्सेना, डॉक्टर घनश्याम अग्रवाल, डॉक्टर आर के मिश्र, डॉक्टर पी के चैबे, डॉक्टर पी के श्रीवास्तव,डॉक्टर इम्तियाज , डॉक्टर मनीष सिंह, डॉक्टर दिव्यांशु ओझा, डॉक्टर विनय सिंह, डॉक्टर गौरव त्रिपाठी, डॉक्टर अतुल शुक्ला आदि ने खुशी जाहिर कर बधाई दी है।

मोटे अनाजों पर आधारित व्यंजन पर लगी प्रदर्शनी, जागरूकता के लिए हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज श्री अन्न वर्ष 2023 के तौर पर मनाया जा रहा है और मोटे अनाज के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाई जा रही है। इसी क्रम में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के उपक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र ऐठू अवधेश पुरम प्रतापगढ़ मे मोटे अनाजों द्वारा निर्मित व्यंजनों के प्रति लोगों का ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम जिले के तीन विकास खण्ड के चयनित 3 ग्राम पंचायत में किया जा रहा है, जिसमें विकास खण्ड कालाकांकर के ऐंठू ग्राम के प्राथमिक विद्यालय में मोटे अनाजों से निर्मित व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक स्वाति दुबे ने सभी ग्रामीण महिलाओं का स्वागत करके किया। कार्यक्रम में मोटे अनाज की विशेषता, इसके लाभ तथा खेती के बारे में विस्तार से बताया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार यादव ने कहा कि मोटा अनाज जैसे मक्का, मकरा, जौ, रागी, बाजरा, सांवा आदि मानव जीवन में अनाज के रूप में रामबाण के समान हैं। महिलाओं ने कार्यक्रम के दौरान अपने यहां के क्षेत्रीय मोटे अनाजों से निर्मित उत्पाद बनाकर गांव के प्राथमिक विद्यालय पर उसका प्रदर्शन किया, जिसमें ग्राम प्रधान केशा देवी एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्री सपना देवी ने व्यंजनों का परीक्षण ऑर्गेनोलेप्टिक टेस्ट किया। परीक्षण के उपरान्त सबसे अच्छे पांच व्यंजनों (बाजरा चाट, पोषक लडडू, बाजरा लडडू, मकरैली, बाजरा विस्किट) को पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 ए0 के0 श्रीवास्तव ने विजेता महिलाओं को सम्मानित किया। महिलाओं ने व्यंजनों के साथ-साथ मोटे अनाजों के बीज एवं पौधों की भी प्रदर्शनी लगाई और इसके महत्व के प्रति लोगों को जागरूक किया तथा लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। इस प्रदर्शनी कार्यक्रम में लगभग 30-40 महिलाओं के साथ-साथ बच्चो ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रदर्शनी को सफल बनाने में डा0 रंजीत सिंह डा0 अवधेश कुमार सिंह, महेन्द्र सिंह, यतेन्द्र कुमार, सुधीर कुमार, जी0आर0पटेल, जुगुल किशोर सहित सीमा देवी, दाया, अनारकली, सुनीता, अनीता, महेश आदि ने अपना योगदान दिया।

प्रदर्शनी के दोरान मौजूद केन्द्र की वैज्ञानिक व महिलागण।

क्लब का अभियान जिले में हरियाली लाने में होगा सहायक: सांसद

क्लब का पौधरोपण अभियान निरंतर जारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब इंटरनेशनल प्रतापगढ़ के द्वारा चलाए जा रहे पौधरोपण/पौध वितरण अभियान में आज भी चिलबिला हनुमान मंदिर एवं वृद्धाश्रम महुली में वृद्धजनों के साथ पौधरोपण कर वृध्दजनों का आशीर्वाद लिया गया।

इसके उपरांत वृद्धजनों के कल्याणर्थ आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिले के सांसद संगम लाल गुप्ता शामिल हुए। इस दौरान सांसद ने सभी वृध्दजनो का हाल लिया और वहां रह रहे कैंसर पीड़ित रामकुमार दादाजी का भी हाल जाना। सांसद ने कहा कि बहुत जल्द सभी वृद्धजनों को मां शीतला धाम के दर्शन कराया जाएगा। इस मौके पर सांसद ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने में सभी के सहयोग की अपील करते हुए एलायंस क्लब का पौधरोपण/पौध वितरण अभियान सराहनीय बताते हुए कहा कि क्लब का यह पौध रोपण एंव वितरण अभियान जिले में हरियाली लाने और पर्यावरण बचाने में सहायक होगा। इस मौके पर क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि क्लब का पौधरोपण/पौध वितरण अभियान 15 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने सभी जनमानस से इस अभियान में जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के मौके पर परमानंद मिश्रा, शिवेश शुक्ला, अंबिका प्रसाद, मानसिंह, रामकुमार, जयराम, विवेक कुमार, छेदीलाल, देवानंद, संतोष कुमार, शनि, बालेश सिंह, सुरेश आदि उपस्थित रहे।

वृद्धजनों से मिलते सांसद संगम लाल गुप्ता।

नर्सरी स्कूलों की बाढ़ से सरकारी स्कूल के बच्चों का भविष्य अंधकार में

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार सरकारी विद्यालयों को हाई फाई करने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है तो वहीं दूसरी तरफ शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी सरकार की सारी मंशा पर फेर रहे हैं जिसका नजारा जनपद के ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर के क्षेत्र में शिक्षा विभाग की मिली भगत से प्राइवेट नर्सरी स्कूलों में देखने को मिल रहा है जो बच्चों के अभिभावकों से मनचाही फीस के साथ कापी किताब मे कमीशनबाजी करके अच्छा खासा पैसा वसूल कर रहे हैं जिसकी जानकारी शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी खंड शिक्षा अधिंकारी कालाकांकर को है, लेकिन कभी भी प्राइवेट नर्सरी स्कूलों की ओर अपना रुख नहीं किया जिससे सरकारी स्कूलों में गिरती शिक्षा ब्यवस्था देखकर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूर होकर आसपास में खुले नर्सरी स्कूलों मे अपने बच्चों का दाखिला करा रहे हैं।

इंटर कॉलेज बहुता में मेधावियों को किया गया सम्मानित

पट्टी, प्रतापगढ़। क्षेत्र के बहुता स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरमीडिएट कालेज में हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट में प्रदर्शन करने वाले कुल 21 मेधावियों को प्रशस्ति पत्र व सोलर लैंप देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंधक बृजेश प्रताप सिंह इंटरमीडिएट की अंतिम दुबे, प्राची मौर्या, आदित्य पटेल, अवनीश पटेल, धीरज प्रजापति तथा हाई स्कूल की काजल, अंशू, खुशी, प्रीति व अंशिका को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया और कहा कि बच्चों को प्रोत्साहित करने से उनके मन और मस्तिष्क पर इसका सकारात्मक असर जाता है कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व अभिभावक गण मौजूद रहे।

मोदी वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

अब लोगों को गांव में ही मिलेगा निःशुल्क चिकित्सा सेवा

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। अब लोगों को अपने गांव में ही निःशुल्क चिकित्सा सेवा उपलब्ध रहेगी। गांव हो या शहर हर जगह लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ ही वैन में स्वास्थ्य कर्मी निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करेंगे। इससे लोगों को अब आसानी से अपने गांव में ही निःशुल्क चिकित्सा सेवा उपलब्ध होगी। निःशुल्क जांच के साथ दवा भी मरीजों को मिलेगी।

मोदी वैन की शुरूआत कौशांबी सांसद, संसदीय आचार समिति लोकसभा के चेयरमैन, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव के प्रभारी विनोद सोनकर द्वारा की गई है। कौशाम्बी लोकसभा के सभी पांच विधानसभाओं में एक एक मोदी वैन निःशुल्क चिकित्सा सेवा उपलब्ध करा रही है।

सोमवार को कुंडा विधानसभा के नगर पंचायत मानिकपुर कार्यालय में सांसद मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष राजन मिश्र, चेयरमैन प्रतिनिधि आशुतोष जायसवाल डिम्पू, सांसद प्रतिनिधि संजय सोनकर ने मोदी वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री सतीश चैरसिया, मंडल प्रभारी संतोष तिवारी, प्रधान ज्ञान चंद्र यादव, सभासद विमल पाण्डेय, सुनील सरोज, सरोज त्रिपाठी, सुमन साहू, जितेन्द्र मिश्र, विभव सिंह, डा0 मनोज वर्मा, रूप कुमार सिंह, पुत्ती सोनी, शैलेश शर्मा, कल्लू पटेल, दिलीप निषाद, पन्ना लाल सोनकर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मोदी वैन को हरी झंडी दिखाते लोग।

खबर संक्षेप

रानी गार्डन कोईलहा पूरामुफ्ती में 14 जुलाई से 17 तक आयोजित होगी स्टेट शतरंज प्रतियोगिता

कौशाम्बी। जिला शतरंज स्पोर्ट्स एसोसिएशन कौशांबी के तत्वावधान में 17वी यू. पी स्टेट फिडे रेटिंग चेस चैंपियनशिप का आयोजन रानी गार्डन कोईलहा पूरामुफ्ती चायल में 14 जुलाई से 17 तक आयोजित होगी सचिव ने बताया कि अभी तक लगभग 20 जिले के खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए कन्फर्म हुए है जिनमें लखनऊ, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, फिरोजाबाद फतेहपुर, अलीगढ़,मेरठ आदि जिलों से खिलाड़ी और इस प्रतियोगिता के प्रथम चार खिलाड़ी अगले महीने 15 अगस्त से 27 अगस्त महाराष्ट्र में हो रही नेशनल चेस चैंपियनशिप में यू पी का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में जिले के किसी भी गांव और नगर के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतियोगिता में प्रवेश के लिए या अन्य जानकारी हेतु राघवेंद्र शुक्ला, आयोजन सचिव से मोबाइल नंबर 9451293466, 8808888720 पर वे सम्पर्क कर सकते हैं।

डीएम ने की जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक

लम्बित मामलों को यथाशीघ्र निस्तारित करने, पॉक्सो के मामलों में नियमानुसार सपोर्ट पर्सन नामित करने तथा बच्चों के आईसीपी बनाये जाने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा उदयन सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक की है बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त बाल संरक्षण हित धारकों को निर्देशित किया कि बाल संरक्षण एवं महिला सशक्ती करण के लिए वार्षिक कार्ययोजना का ससमय अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अनुपालन आख्या प्रत्येक माह कार्यालय जिला प्रोबेशन को प्रेषित किया जाय। उन्होंने बाल कल्याण समिति के कार्या की विस्तृत समीक्षा करते हुए लम्बित मामलों को यथाशीघ्र निस्तारित करने, पॉक्सो के मामलों में नियमानुसार सपोर्ट पर्सन नामित करने तथा बच्चों के आईसीपी बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के रोकथाम के लिए बृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाय तथा सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय, जिससे जनपद में कोई भी बाल विवाह सम्पन्न न होने पाये। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) की समीक्षा करते हुए पात्र सभी बच्चां को नियमानुसार लाभान्वित करने के निर्देश दियें। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को जनपद में संचालित बाल संरक्षण संस्थाओं का समिति द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने श्रम प्रवर्तन अधिकारी को बाल श्रम से मुक्त कराये गये बच्चां का नियमानुसार पुनर्वासन कराने तथा शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने के भी निर्देश दियें। उन्हांने ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर गठित समितियों का नियमित रूप से बैठक कराने के निर्देश दियें इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी नीरज कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप पटेल, उप मुख्य चिकित्साधिकारी हिन्द प्रकाश मणि, अध्यक्ष सदस्य बाल कल्याण समिति, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, प्रभारी एएचटीयू, प्रभारी एसजेपीयू, संरक्षण अधिकारी अजीत कुमार, आईसीपीएस के कर्मचारियों, सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

जिन पर योगी सरकार करती है फूलों की वर्षा वो बीयर पीकर करेंगे भोलेनाथ की पूजा

सावन : प्रथम सोमवार को बीयर लेकर भोलेनाथ को मनाने जाते कांवड़िया

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। भोलेनाथ की भक्ति में भी अब अधर्मी लोग आने लगे हैं गांजा भांग के बाद अब कुछ कांवरिया बीयर शराब पीने लगे हैं जो बेहद चिंता का विषय है ताजा मामला कोखराज थाना क्षेत्र के चाकवन चौराहे पर देखने को मिला है जहां शराब के ठेके से बीयर की बोतल खरीद कर कांवरिया जाते दिखे हैं। सावन के प्रथम सोमवार को कोखराज क्षेत्र के चाकवन चौराहे पर भोलेनाथ की पूजा करने जा रहे कांवरिया भक्तों ने भोलेनाथ की पूजा के पहले बीयर की दुकान से बीयर खरीदी बाबा को जल चढ़ाने के लिए घर से गेरुआ वस्त्र पहन कर निकले कांवरिया भोले नाथ का भक्त आखिर यह किस प्रकार की पूजा कर रहा हैं जो नशे करने के बाद पूजा का ढोंग कर सरकार को गुमराह कर हिंदू धर्म को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं कुछ लोगों के इस कृत्य से पूरा समाज प्रभावित हो रहा है बीयर खरीद कर ले जाने वाले इस कांवरिया पर भगवा रंग का अपमान करने के लिए कार्यवाही होनी चाहिए।

अर्ध निर्मित स्थाई गौशाला का नवनियुक्त अधिशासी अधिकारी ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा में 2021 को शासन ने कान्हा गौशाला के रूप में 1करोड़ 69 लाख से 6 माह में निर्माण कराने का आदेश दिया था जिम्मेदारों ने बरई बाग में कान्हा गौशाला का निर्माण करवाया किंतु बीते 2 वर्ष के उपरांत भी कान्हा गौशाला का निर्माण पूरा नहीं हो सका है।गौशाला अधूरा पड़ा है गौशाला में भूसा रखने की जगह नहीं है,गेट नही लगा है सैकड़ों छुट्टा गौवंश नगरीय क्षेत्र में झुंड की शक्ल में किसानों की फसल और गांव नगर में लोगो को छुटहिल कर रहे हैं जिम्मेदार योगी सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ाने में आतुर हैं। आज सोमवार को नव नियुक्त अधिशाषी अधिकारी रश्मि सिंह ने कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया संरक्षित गौवंशों को गुड़ चना खिलाया।इस दौरान उन्होंने गौवंशो के लिए चारे पानी भूसी चोकर की व्यवस्था देखी उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों को नियमित समय से गौवंश को चारा पानी मुहैया करने का निर्देश दिया इस दौरान उन्होंने बताया कि ठेकेदार ने लागत का 70% कार्य कर दिया है शासन से गौशाला के लिए आए बजट से आधा धन प्राप्त हुआ है शासन को शेष बजट के लिए पत्र भेजा गया है ! बजट अवमुक्त होते ही गौशाला का निर्माण पूर्ण करा दिया जायेगा वहीं क्षेत्र में टहल रहे गौवंश को शीघ्र ही कर्मचारियों द्वारा गौशाला में संरक्षित करवा दिया जाएगा।

दहेज लोभियों ने दहेज के लिए नवविवाहिता की चढ़ा दी बलि

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले के मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में दहेज लोभियों ने एक और नवविवाहिता को दहेज की बलि चढ़ी दी,नवविवाहित की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है,पीड़ित पिता ने पुलिस को दहेज के लिए बेटी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के बिराही बाग की रहने वाली काजल की

एक महीने पहले बेटी के पिता ने मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में धूमधाम से की थी शादी

शादी सेलरहा पश्चिम के रहने वाले मान चंद्र पुत्र लवकुश के साथ 11 जून 2023 को हुई थी।काजल के पिता लल्लू लाल ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुए दहेज के लिए बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया है।पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें सुनिश्चित : एसपी

अखंड भारत संदेश

पुलिस कार्यालय में एसपी ने फरियाद सुनकर अधीनस्थों को निस्तारण के दिए निर्देश

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रतिदिन की भांति पुलिस कार्यालय में जनतादर्शन में जनसुनवाई कर जनसामान्य की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित को दिये आवश्यक निर्देश पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गई इस दौरान पुलिस कार्यालय में आने वाले फरियादियों जनसामान्य की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुना गया तथा उनकी समस्याओं के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए जिसमें पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में मौके पर जाकर शिकायतों की तत्काल, निष्पक्ष जांच कर विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया तथा शिकायतकर्ता से समय-समय पर जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध में फीडबैक लिये जाने सम्बन्धी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थानों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से इतनी दूर पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो, साथ ही सभी प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष को यह भी निर्देश दिये गये कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव का आदेश कौशाम्बी में अफसरों के ठेंगे पर!

अखंड भारत संदेश

कौशांबी जनपद मुख्यालय मंझनपुर के कस्बा बाजार सहित विभिन्न कस्बो चौराहों गांव क्षेत्र में सैकड़ो आवारा छुट्टा पशु टहलते घूमते देखे जाते हैं, मुख्य सचिव प्रमुख सचिव के आदेश केवल मीटिंग में दिशा निर्देश देने तक सीमित देखे जाते हैं

कौशाम्बी। मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्रा ने अफसरों को आदेश दिया कि सार्वजनिक जगहों पर आवारा छुट्टा पशु ना दिखाई पड़े लेकिन कौशाम्बी के अफसरों के लिए मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्रा का आदेश उनके ठेंगे पर है मुख्य सचिव प्रमुख सचिव के कितने आदेश है जो कौशांबी में पालन नहीं हो सके है अवैध नर्सिंग होम झोलाछाप क्लीनिक आपंजीकृत अनट्रेंड अनरजिस्टर्ड अस्पतालों पर कार्रवाई का निर्देश कौशांबी में हवा हवाई साबित हुआ है डग्गामार वाहन अवैध बसों पर कार्रवाई का निर्देश भी कौशांबी में हवा हवाई साबित हुआ है बिना परमिट की बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं साफ-सफाई सड़कों की मरम्मत विकास योजना जमीनी हकीकत शासनादेश से बहुत दूर है। शासन से मुख्य सचिव प्रमुख सचिव के आदेश आते है लेकिन मुख्य सचिव प्रमुख सचिव के आदेश केवल मीटिंग में दिशा निर्देश देने तक सीमित देखे जाते हैं कार्रवाई करने का ढिंढोरा अफसरों द्वारा पीटा जाता है लेकिन हकीकत में जमीनी सतह पर मुख्य सचिव प्रमुख सचिव के आदेश लागू नहीं हो पाते हैं प्रमुख सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने अपने आदेश में कहा था कि सड़क पर छुट्टा पशु मिलने पर कार्रवाई होगी लेकिन कौशांबी जनपद मुख्यालय मंझनपुर के कस्बा बाजार सहित विभिन्न कस्बो चौराहों गांव क्षेत्र में सैकड़ो आवारा छुट्टा पशु टहलते घूमते देखे जाते हैं लेकिन उसके बाद अभी तक डीएम कमिश्नर ने किसी भी अफसर पर कार्यवाही नहीं की है जिससे मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्रा के आदेशों की धज्जियां कौशांबी में उड़ती दिख रही है। आम जनता से लेकर किसान तक आवारा पशुओं के आतंक से परेशान हैं खेतों में झुंड का झुंड आवारा छुट्टा पशु घूम रहे है आवारा छुट्टा पशु किसानों के खेतों की फसलें बर्बाद कर रहे हैं खेत खलिहान और सड़कों पर घूमने वाले आवारा छुट्टा पशुओं को आश्रय स्थल में भेजने के निर्देश प्रमुख सचिव ने दिए थे लेकिन कौशांबी जनपद में इस आदेश का भी पालन नहीं हो सका है मंझनपुर कस्बा सहित जिले के विभिन्न कस्बे में आबादी के बीच आवारा छुट्टा पशुओं का झुंड पूरे दिन घूमते रहते हैं कस्बे में जंगली खूंखार साड़ घूमते हैं जिन्हें देखकर आमजनता दहशत में आ जाती हैं सड़के और रास्ते खाली हो जाते हैं लेकिन अफसरों को नहीं दिखाई पड़ते हैं कस्बे में खूंखार साड़ का झुंड जिधर से निकल जाता है उधर रास्ते खाली हो जाते हैं आखिर कब तक हवा हवाई का आदेश प्रमुख सचिव और मुख्य सचिव भेजते रहेंगे कब तक कागज में कार्यवाही का ढिंढोरा पीटा जाता रहेगा जमीनी हकीकत में ठोस कार्यवाही करनी होगी तभी योगी सरकार की निष्पक्ष कार्यप्रणाली का फायदा आम जनता को मिलेगा।

न्यूज झरोखा

त्योहारों को लेकर कोखराज थाने में सभ्रांत लोगों के साथ बैठक आयोजित

कोखराज कौशाम्बी आगामी त्योहारों कांवड़ मास मोहर्रम आदि के दृष्टिगत कोखराज थाना क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, संभ्रांत व्यक्तियों ,ताजिया दारो के साथ रविवार 9 जुलाई को कोखराज थाना में कोखराज थाना अध्यक्ष की अध्यक्षता में गोष्ठी की गई त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाने हेतु शासन एवं उच्च अधिकारी के आदेशों एवं निदेर्शों से गोष्ठी में उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया गोष्ठी के दौरान कोई बात प्रकाश में नहीं आई इस दौरान कोखराज थाना अध्यक्ष ने कहा कि सभी लोग मिलजुलकर त्यौहार शांतिपूर्वक भाई चारे के साथ बनाएं और यदि किसी प्रकार की समस्या दिखाई पड़ती है तो तत्काल पुलिस को अवगत कराएं गोष्ठी के दौरान इलाके के संभ्रांत नागरिक उपनिरीक्षक चौकी इंचार्ज पुलिस के जवान आदि लोग मौजूद रहे

जहरीले जंतु के काटने से वृद्ध की हालत गंभीर

कोखराज कौशाम्बी कोखराज क्षेत्र के नया पुरवा मजरा राला निवासी गुलाब रैदास उम्र 65 वर्ष पुत्र स्वा द्वारिका प्रसाद रैदास सोमवार को रामा चौरसिया के घर पर छप्पर बना रहे थे तभी जहरीले सांप ने डस लिया जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़े परिजनों को जानकारी होने पर झाड़ फूक के लिए ले गए जहाँ पर गुलाब की हालत नाजुक होती देख परिजन उसे दूसरी जगह लेकर गए लेकिन वहाँ पर रहे बैध ने जबाब दे दिया और कहा कि घर ले जाओ गुलाब मजदूरी करते थे ग्रामीणों ने बताया कि वह बहुत ही गरीब हैं गुलाब के परिजन घर पर ही चद्दर ओढा कर इलाज कर रहे है हालत नाजुक बताई जाती है।

छुटभैया सपाई नेता ने मकान के सेहन पर कराई टटिया लगवा कर सरकारी जमीन कब्जा

कोखराज कौशांबी कोखराज थाना क्षेत्र के रामपुर सुहेला गांव के मजरा नियामत पुर में सरकारी जमीन पर जबरन दबंग कब्जा कर रहे हैं मामले की शिकायत थाना प्रभारी से फरियादी ने की है। कोखराज थाना के प्रभारी कोतवाल को शिकायती पत्र देते हुए थाना क्षेत्र के रामपुर सुहेला के मजरा नियामत पुर गांव निवासी सलमान पुत्र खैराती ने बताया कि भूमि गाटा संख्या 192 में उसने जमीन खरीदा था लेकिन खंडजा के उस पार रह रहे दबंग असलम पुत्र हमीद, अल्तमश पुत्र असलम अपने रिश्तेदार सद्दाम के साथ मिलकर बाजबरन जमीन के सेहन के सामने लगभग आधा विस्वा सरकारी ऊसर जमीन पर जबरिया टटिया लगाकर कब्जा कर रहे हैं शिकायतकर्ता का आरोप है कि जमीन कब्जा करने वाले दबंग चोरी और गौकशी के अपराध में लिप्त है मकान के सामने पडे ऊसर मैदान पर दबंग ने छुटभैया दलाल नेता के बल पर टटिया लगा दिया है जिसका ठेका दलाल छुटभैया नेता अब रुपये लेकर हटाने की बात कर रहा है जबकि हाईकोर्ट का आदेश भी है कि सभी अवैध कब्जा ऊसर बंजर सरकारी जमीन से हटाये जाये व सरकारी जमीन कब्जा मुक्त कराया जाए शिकायत कर्ता ने उच्च अधिकारियों से गुहार लगाते हुए सरकारी जमीन कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है शिकायतकर्ता की बात सुनने के बाद अधिकारियों ने जांच कर जमीन कब्जा मुक्त करने का अश्वासन दिया है

प्रथम सोमवार को बाबा बैजनाथ के लिए रवाना हुए कांवरिये

हर्रायपुर कौशाम्बी जिले के विभिन्न क्षेत्र से बाबा बैजनाथ धाम जाने वाले कांवरियों का जत्था प्रतिदिन रवाना हो रहा है पूरा जिला शिव भक्ति में लीन है बोल बम का नारा है बाबा तेरा सहारा है जैसे भक्ति गीतों के साथ नगर गूंज रहे हैं सावन के प्रथम सोमवार को मूरतगंज बाजार कशिया पुरवा आदि क्षेत्र से बोल बम के नारे के साथ सैकड़ों कावड़िया बाबा बैजनाथ धाम के लिए रवाना हुए बाबा बैजनाथ धाम जल चढ़ाने जा रहे कांवरियों का बाजा गाजा के साथ बाजार गांव के लोगों ने स्वागत किया है पूरा क्षेत्र शिव भक्ति में लीन है

चोरी की घटना के खुलासे के बाद पुलिस पर नकली गहने देने का आरोप, एसपी से शिकायत

कौशाम्बी जिले की महेवाघाट थाना पुलिस पर चोरी की घटना का फर्जी खुलासा करने और खुलासा के बाद नकली गहने सौंपने का आरोप लगा है,पीड़ित ने एसपी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है,वही मामले की पैरवी कर रहे बहु के पत्रकार पिता की हत्या की आशंका भी जताई है। जानकारी के मुताबिक महेवाघाट थाना क्षेत्र के निखोदा गांव के दिनेश नारायण के यहा कुछ महीने पहले लगभग 35 लाख की चोरी हुई थी,जिस पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की थी और मुकदमा दर्ज कराया और पुलिस से खुलासा की गुहार लगाता रहा, पुलिस ने मामले का खुलासा किया और आरोपियों को अरेस्ट कर जेल भेज दिया लेकिन गहने वापस नहीं किए,जिसके बाद न्यायालय में अवमानना दाखिल किया गया,अवमानना की नोटिस के बाद पुलिस ने गहने वापस किया। पीड़ित का आरोप है कि घटना का खुलासा करने के बाद पुलिस ने उसे जो गहने वापस किए वह नकली है,पीड़ित का आरोप है की पुलिस ने उसे गहने रिसीव करते समय सुनार को दिखाने भी नही दिया है।पीड़ित ने महेवाघाट थाना प्रभारी पर अपराधियो से मिलीभगत का आरोप लगाया है और एसपी से मिलकर शिकायत की और न्याय की गुहार लगाई है।वही एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने तत्काल रक्ष टीम गठित कर जांच का आदेश दिया है।यह जांच टीम एक हफ्ते में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के शाना गांव के राकेश कुमार पुत्र गजराज ने थाना पुलिस को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि मेरी पत्नी गुड़िया देवी दो बहनें हैं। मेरी ससुराल हरदुआ खास गांव में है ! मेरी सास अपने जीते जी दोनों लड़कियों के नाम खेत लिख दिया है। मेरी सास के मरने के बाद मेरा छोटा साढू प्रकाश पुत्र दशरथ निवासी हरदुआ खास जबरन दबंगई के बल पर मेरी भूमि धरी जमीन जोत रहा है। सोमवार को खेत जोतने से मना करने पर महिला को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारा पीटा है। दोनों पक्षों से एक - एक लोग घायल हैं। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के विरुद्ध स्थानीय थाना चरवा में लिखित तहरीर दिया चरवा पुलिस जांच में जुट गई है।

शौतन का विरोध करने पर पिता ने पुत्री को घर से भगाया

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के सिरियावां कला गांव की अरीबा बानो ने थाना चरवा में दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि मेरे पिता मोबीन अहमद ने मंझनपुर कोतवाली के फैजी पुर गांव की एक युवती से दूसरी शादी कर लिया है। और उसी के घर मे रहता है दूसरी शादी करने के बाद बेटी को घर से भगा दिया है। बेटी का कहना है कि पिता ने डेढ़ बीघा खेत भी बेच लिया है। दूसरी शादी करने के बाद पिता अरीबा बानो को खर्च के रूप में दो हजार रुपए बड़ी मुश्किल से देता था। तीन माह से एक रूपए भी नहीं दे रहा है। असहाय बेटी वर्तमान में अपने ननिहाल सोखदा थाना संदीपन घाट में रह रही हैं। मोबीन अहमद चोरी चुपके पैतृक खेत को भी बेच लिया है। पीड़ित किशोरी दर दर की ठोकरें खाने पर मजबूर हैं। चरवा थाना पहुंच कर बेटी ने अपने पिता के विरुद्ध लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र दिया है चरवा पुलिस जांच में जुट गई है।

बड़ौदा यू पी बैंक का सर्वर फेल ग्राहकों में आक्रोश

भरवारी कौशांबी। नगर पालिका परिषद भरवारी अंतर्गत सिंधिया में स्थित बड़ौदा यू पी बैंक में सोमवार की सुबह से ही बैंक का सरवर फेल हो गया बैंक का सर्वर फेल हो जाने से पूरे दिन रकम जमा और निकासी के लिए बैंक में ग्राहक परेशान है लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका सर्वर फेल होने से परेशान ग्राहकों में आक्रोश व्याप्त है वही बैंक कर्म चारी भी हलाकन होते दिखे है। बता दे कि नगर पालिका परिषद भरवारी अंतर्गत लगभग सभी बैंकों में काम के समय सर्वर फेल होते देखा जा सकता है या यह कहें की आए दिन सर्वर फेल होना बैंक की दिनचर्या में शुमार है 'ऐसा ही सिंधिया भरवारी में बड़ौदा यू पी बैंक में सोमवार की सुबह से ही बैंक का सर्वर फेल हो जाने से जहा एक तरफ बैंक से लेन देन का कार्य नही हो सका वही ग्राहकों के साथ ही कर्मचारियो को भी हलाकान होना पड़ा।

खाने पीने की दुकान में अचानक लगी आग सामान जलकर हुआ खाक

भरवारी कौशाम्बी कोखराज थाना क्षेत्र के परसरा गांव निवासी उदय सिंह ने बाईपास रोड परसरा पर खाने पीने के सामान पान भोजनालय की दुकान खोल रखी है सोमवार की शाम को दुकान बंद करके वह घर चला गया उसके बाद उसे जानकारी मिली कि उसके दुकान में अचानक आग लग गई है जानकारी मिलते ही उदय फिर दुकान पर पहुंचा तब तक दुकान का सारा सामान जलकर खाक हो गया मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पूर्व विधायक संजय गुप्ता समेत तमाम लोग पहुंच गए मामले की सूचना पुलिस को दी गई लेकिन खबर लिखे जाने तक मौके पर पुलिस नहीं पहुंची है बताया जाता है कि अज्ञात लोगो द्वारा दूकान में आग लगाई गई जिससे सारा सामान जलकर राख हुआ है घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक संजय गुप्ता द्वारा पीड़ित दूकान दार को हर संभव मदद की बात कही है।

संपादकीय

हिंसक होता राजनीतिक चेहरा लोकतंत्र पर बदनुमा दाग

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को हिंसक प्रतिस्पर्धा में नहीं बदला जा सकता, लोकतंत्र का यह सबसे महत्वपूर्ण पाठ पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस एवं अन्य राजनीतिक दलों को याद रखने की जरूरत है। जैसाकि पश्चिम बंगाल में इन दिनों पंचायत चुनाव के दौरान व्यापक हिंसा देखने को मिली, इससे पूर्व वर्ष 2013 और 2018 के पंचायत चुनावों में भी ऐसी ही हिंसा सामने आई। 2019 के लोकसभा चुनावों में एवं 2021 के विधानसभा चुनावों में भी व्यापक हिंसा हुई थी। अब पंचायत चुनावों के दौरान बड़े पैमाने पर हुई हिंसा के बाद राजनीतिक दल एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। राज्य चुनाव आयुक्त भी बेबस बना हुआ इस हिंसा का जिम्मेदार जिला प्रशासन को ठहराकर अपना पल्ला झाड़ना चाहता है। निश्चित ही हिंसक होता राजनीतिक चेहरा लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है। आखिर यह किस लोकतंत्र का चेहरा है। इस तरह की हिंसा से कोई जीत भी गया तो वह कितना जीत पाएगा? इस राजनीतिक लड़ाई से जिस तरह का आवेश, भय, संवेदनहीनता, परस्पर द्वेष, नफरत एवं घृणा पैदा हो रही है, क्या उसमें राजनीतिक उद्देश्यों की एवं मूल्यों की हार नहीं है? तृणमूल कांग्रेस को गरीबों की चिंता है या सत्ता की, वहीं भारतीय जनता पार्टी को भारत की अस्मिता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की। इस लड़ाई में जो लोग मर रहे हैं वे गरीब भी हैं और भारतीय भी हैं। इसलिए क्या दोनों का कर्तव्य नहीं है कि इस हिंसक राजनीति के परिणाम के बारे में सोचें।

इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव के दौरान ऐसी हिंसा बेहद गंभीर और चिंताजनक है। खासकर इसलिए भी कि इस तरह की हिंसा की आशंका पहले से जाहिर की जा रही थी और सभी संबंधित एजेंसियों के पास इसे रोकने के लिए योजना बनाने और उस पर सही ढंग से अमल की तैयारी करने का काफी वक्त था। हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद तृणमूल कांग्रेस सरकार और केन्द्रीय सुरक्षा बल यदि समय पर सही ढंग से कदम उठाते तो निश्चित ही इस तरह की हिंसा को रोका जा सकता था। इसमें बरती गई कोताही एवं लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए कि गड़बड़ी कहां और किस तरह हुई। मगर फिर भी इस मुद्दे को न तो तात्कालिक नजरिये से देखा जा सकता है और न ही महज कानून व्यवस्था की समस्या के रूप में। हिंसा, अराजकता, उन्माद एवं उग्रता इस राज्य के राजनीतिक जीवन का एक तरह से अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है कि वर्ष 2024 में आम चुनाव होने हैं। कोई भी राज्य हो या किसी भी तरह के चुनाव हो, हिंसा को जायज नहीं माना जा सकता। पश्चिम बंगाल में हिंसा का वर्चस्व बढ़ना एक चिंता का बड़ा कारण है। ऐसे तो कोई भी राजनीतिक दल इससे अछूता नहीं है। लेकिन तृणमूल कांग्रेस सत्ता में होने की वजह से उसके द्वारा हिंसा को बल दिया जाना, हिंसा को हथियार बनाना और हिंसक राजनीति पर सत्ता हासिल करने का खेल दुर्भाग्यपूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है। यह लोकतंत्र के हनन की घटना है। कभी बिहार जैसा राज्य चुनावी हिंसा का पर्याय माना जाता था लेकिन अब वहां हालात बदले और चुनावी हिंसा अपवाद स्वरूप ही देखने को मिलती है। पर पश्चिम बंगाल में स्थिति उग्र से उग्रतर होती जा रही है। चूंकि सत्ता में तृणमूल कांग्रेस है, इसलिए हिंसा रोकना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी बनती है। लेकिन ऐसे हिंसा के मामले में अन्य दलों को भी उनके दायित्व से मुक्त नहीं किया जा सकता। इस तरह की हिंसा की काली छाया न केवल आम जनजीवन को प्रभावित कर रही है बल्कि सरकारी एजेंसियां एवं संवैधानिक संस्थाओं तक पर उसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। स्पष्ट है कि समस्या गहरी है और उसका समाधान भी गंभीरता से होना अपेक्षित है।

पश्चिम बंगाल के राजनीति धरातल ही नहीं बल्कि आम जनजीवन में भी हिंसा की बर्बरता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष एक-दूसरे द्वारा कि गई राजनीतिक हत्याओं का ऐसा हिसाब रखते हैं कि कुछ बकाया नहीं छोड़ते। इस लड़ाई में एक पक्ष दूसरे पक्ष के कार्यकताओं को मारता है तो दूसरा पक्ष पहले पक्ष के कार्यकताओं को मारता है, उससे लड़ाई खत्म नहीं हो जाती बल्कि आगे बढ़ जाती है। दोनों पक्षों ने मरने-मारने वाले लोगों की फौज खड़ी कर ली है।

पश्चिम बंगाल दोषी और निदोर्षी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी हुई है। वहां लोगों को बंदूक से संदूक तक लाना जटिल होता जा रहा है। वहां लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर रह गया है। राज्य में राष्ट्रीय मूल्य कमजोर हो रहे हैं, विकास की बात नदारद है, सिर्फ निजी हैसियत को और राजनीतिक वर्चस्व को ऊंचा करना ही महत्वपूर्ण हो गया है। ऐसे हालातों में लोकतंत्र को कैसे जीवंत किया जा सकता है। जनाकांक्षाओं को किनारे किया जा रहा है और विस्मय है कि इस बात को लेकर कोई चिंतित भी नजर नहीं आता। जनादेश और जनापेक्षाओं को ईमानदारी से समझना और आचरण करना यही लोकतांत्रिक कदम है और सफलता इसी कदम से मिलती है। जहां इसके अनुरूप नहीं चला जाता, वहां धोखा है और धोखा देना एक नये राजनीतिक माफिया का रूप बन गया है। आगामी वर्ष में होने वाले लोकसभा चुनाव एवं इस वर्ष पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों से पूर्व हिंसा की राजनीति पर नियंत्रण किया जाना जरूरी है। तुष्टिकरण हटे और उन्माद भी हटे अगर राजनीतिक हिंसा से लोकतंत्र को चोटिल और घायल करने की घटनाओं को नहीं रोका गया तो यह हम सबका दुर्भाग्य है। हमारा राष्ट्र संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, धर्मनिरपेक्ष एवं समाजवादी गणतंत्र राष्ट्र है। इससे हटकर हमारी मान्यताएं, हमारी आस्थाएं, हमारी संस्कृति और हमारा लोकतंत्र सुरक्षित रह नहीं सकता, हमारा देश एक नहीं रह सकता।

जलवायु परिवर्तन की वजह है आसमान से बरसी आफत

अशोक भाटिया

देश की राजधानी समेत उत्तर भारत के अनेक राज्यों में जबर्दस्त बारिश से बुरा हाल है। कई इलाके जलमग्न हो गए। हिमाचल प्रदेश में व्यास नदी में उफान से कई पुल टूट गए, मकान ढह गए, तो गाड़ियां बह गईं। दिल्ली में भी बरसात ने कई साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया। ये सिलसिला अभी जारी रहने का अनुमान जताया गया है। मानसून की शुरूआत में ही उत्तर भारत में इतनी बारिश क्यों हो रही है? क्या ये सामान्य बात है या किसी गड़बड़ी का संकेत, इसे गहराई से समझना पड़ेगा ।

वैसे मानसून में तेज बारिश आना कोई बहुत असामान्य चीज नहीं है। अगर हम इतिहास के नजरिए से देखें तो बहुत ज्यादा बारिश होना और बहुत कम समय में, ये मानसून में ट्रेंड रहा है लेकिन अभी जो हो रहा है वो थोड़ा असाधारण है। पहली बात ये है कि मानसून इस बार लेट से आया। भारत मौसम विज्ञानं विभाग ने जो भविष्यवाणी कि थी देर से की , उससे काफी देर से आया है मानसून। उसके बाद जून के पहले 20 दिन में मानसून साधारण रहा है। कुछ-कुछ देश के कुछ-कुछ इलाकों में, जैसे कि वेस्टर्न इंडिया और सदर्न इंडिया में मानसून की कमी केवल 60 फीसदी थी । उसके बाद मानसून इतनी तेजी से आया। आजकल देख रहे हैं बारिश जितनी तेजी से हो रही है, अब मानसून जरुरत से ज्यादा होने की बात की जा रही है। मानसून की देरी के बाद अधिक बरसात और फिर अचानक बरसात का बढ़ना , ये दिखा रहा है कि मानसून में जो तब्दीलियां आ रही हैं, उसको ये बहुत ही स्पष्ट दिखा रही हैं। पिछले 8 दिन में जो कमी आंकी जा रही थी वो अतिरिक्त हो जाना, इसका मतलब कि बहुत तेजी से बारिश होना। पिछले कुछ सालों में जो असाधारणता दिखाई दे रही है मानसून में, अब वो बहुत-बहुत स्पष्ट नजर आ रहा है। दरअसल ये जो हम बेमौसम बरसात, गरमी के समय ठंड हो जाना, ठंड के मौसम का टलते जाना या देर से आना, बारिश में सूखा होना वगैरह देख रहे हैं, ये सब ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के लक्षण हैं। पूरे देश में कई जगह जहां बहुत कम वर्षा होती थी या नहीं होती थी, वहां भी खूब बारिश हो रही है। हिमालय के क्षेत्र में खासकर बद्रीनाथ, केदारनाथ और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में उम्मीद से अधिक जो बर्फबारी दिख रही है, वह तो सीधे तौर पर जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रही है। इसकी मुख्य वजह यह है कि हम लोग जो जमीन का उपयोग यानी लैंड यूज, लैंड कवर चेंज हमने बदल दिया है। हिमालय क्षेत्र में जो नदियों का वाटरशेड एरिया है, वो हमलोगों ने अपने जीवनयापन के लिए नष्ट कर दिया है। इसका सीधा असर वहां के मूल निवासियों पर पड़ रहा है। जो लोग पर्यटन के उद्देश्य से वहां जा रहे हैं, उनके ऊपर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। यह जलवायु परिवर्तन लैंड यूज, लैंड कवर में बदलाव की वजह से हो रहा है। फॉरेस्ट एरिया यानी वन कम हो गए, फॉरेस्ट कवर घट गया, नदियों का सिकुड़ना जारी है और वर्षाजल का हम संरक्षण कर नहीं रहे। हमें तो प्रकृति की हिस्सेदारी वापस बहाल करनी होगी न। इसका मतलब ये है कि हमें 33 फीसदी जमीन पर वन रखना ही चाहिए और खेती का इलाका जो है, वह 40 फीसदी से अधिक होना ही नहीं चाहिए। जब तक ये इकोलॉजिकल बैलेंस नहीं करेंगे, तब तक चैन नहीं मिलेगा। आधिकारिक तौर पर, सरकारी तौर पर जब तक हम जमीन का उपयोग रेखांकित नहीं करेंगे, तब तक समस्या बढ़ती जाएगी और आनेवाले समय में तो ये विकराल रूप धारण करता जाएगा। अभी जो लोग 40-45 की उम्र में हैं, उन्होंने अपनी किशोरावस्था में सुना होगा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव 21वीं शताब्दी के अंत तक दिखेगा, लेकिन वह तो अभी ही दिख रहा है, इक्कीसवीं सदी की शुरूआत में ही हो गया है। हमारा क्लाइमेट चेंज हो रहा है, धरती का तापमान जो औसत 15 डिग्री है, वह 1.5 डिग्री बढ़ चुका है, और यह बात हम वैश्विक स्तर पर कर रहे हैं। हालांकि, अगर रीजनल स्तर पर हम देखें तो कई जगह 8 से 10 डिग्री तक बढ़ गया है। इसके पीछे मानव का अतिक्रमण ही एकमात्र कारण है। हम जितना अपने नेचुरल रिसोर्स का अतिक्रमण कर रहे हैं, वहीं तबाही हमारा दरवाजा खटखटा रही है। यह किसी एक व्यक्ति या समुदाय से जुड़ी बात भी नहीं। अभी आप देखिए अगर हिमालय की ही बात करें तो बद्रीनाथ की यात्रा रुके या केदारनाथ की, नुकसान कितनों का होता है? जिन्होंने भी वहां होटल, रिसॉर्ट, गेस्ट हाउस वगैरह में निवेश किया होगा, सबका नुकसान होता है। खाद्य पदार्थों की सप्लाई चेन से लेकर लगभग ही कोई क्षेत्र बचा होगा, जो जलवायु परिवर्तन से बचा हो। जलवायु-परिवर्तन के साथ जो प्रकृति के संरक्षण का मसला है, उसमें जनसंख्या एक अहम फैक्टर है। उस पर भी हमें गंभीरता से विचार करना होगा। यह हमारे लिए एक मौका भी है और चुनौती भी। हमारे पीएम युवावर्ग को लेकर जनसंख्या को हमेशा फायदेमंद बताते हैं, क्योंकि वह हमारा वर्किंग फोर्स है। लेकिन जनसंख्या नियंत्रण के जो नियम कायदे हैं, उस पर हमें त्वरित कार्रवाई करनी होगी। उसे जल्द से जल्द करना होगा और 2030 की डेडलाइन को भूलना होगा। हमें इस पर ठोस और बहुत त्वरित कार्रवाई करनी होगी। 2024-25 तक हमें राष्ट्रीय नीति में बदलाव लाना होगा। वैज्ञानिक भाषा में समझें तो मानव सभ्यता के विकास के साथ उसने वर्षाजल पर आधारित खेती के लिए थोड़ी जमीन पर खेती की, और विकास हुआ तो खेती की जमीन और बढ़ी, फिर विकास हुआ तो मानव सेटलमेंट के लिए जमीन बनाई गई, फिर और विकास हुआ तो इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट हुआ, इस तरीके से विकास हुआ। पहले इस क्रम में 400 से 500 वर्षों में होता था। आज यह केवल 4 से 5 साल में हो जाता है। अब आप सोच लीजिए कि हमने जमीन का रूपांतरण किस तेजी से किया है, फिर जमीन पर ही तो जलवायु के सारे कारक होते हैं, जैसे- नदियां, मिट्टी, पत्थर, पहाड़। यह जो लैंड डायवर्सिटी यानी विविधता थी जमीन की, वह अब मोनोटोनस यानी एकरूप हो गयी है। अब सब कुछ हमने एक तरह का बना दिया है। हमारे देश की जनसंख्या 20 फीसदी है, दुनिया की और यह दुनिया की कुल जमीन के 2.5 फीसदी जमीन पर रहता है। सोचिए कि यह जमीन कितनी उपजाऊ, कितनी फर्टाइल है। अब जब हम 20 फीसदी हो गए हैं, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव भी हम झेल रहे हैं, तो जल्द से जल्द हमें जनसंख्या नियंत्रण करना होगा। एक परिवार से एक बच्चा जैसी पॉलिसी को अपनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने में स्वास्थ्य भी एक अहम भूमिका निभाता है। हमारे देश में स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल बेहद लचर है। एक लाख व्यक्ति पर एक डॉक्टर की उपलब्धता बताती है कि अभी हमें इसमें कितना सुधार करना है। स्वास्थ्य का सीधा संबंध जनसंख्या वृद्धि दर से भी है। जोशीमठ जैसी घटनाएं हिमालय क्षेत्र में लगातार होती रहती हैं। इसलिए होती रहती हैं कि हिमालय क्षेत्र जो है, वह ग्लेशियर के मलबे से बना है। जमीनी सतह के लगातार घर्षण की भी वह जगह है। टेक्टोनिक प्लेट के लगातार टकराव से भी वहां भू-स्खलन वगैरह होता है। यही वजह है कि आप देखेंगे कि हिमालय के कई शिखर बंजर हैं, वहां कोई हरियाली नहीं है। वह सलेटी रंग का है, क्योंकि वह फिनलाइट का बना है। अगर ग्लेशियर का मलबा वहां से खिसकता है, तो उसे रोकना बंद होता है। हिमालय क्षेत्र में छोटे पत्थर नीचे होते हैं और बड़े पार्टिकल्स यानी बड़े पत्थर ऊपर होते हैं। जब उसमें हम किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप करते हैं तो उसमें विकार आता है, जैसा हमने जोशीमठ में देखा था। यह कई सारे इलाकों में होता है। तो, मानवीय स्वभाव है भूमि पर कब्जे का, अधिग्रहण का, उसे बदलना होगा। हमें वैज्ञानिक तरीके से यह देखना होगा कि कहां बसने लायक जमीन है या नहीं। जबर्दस्ती तो प्रकृति के साथ नहीं चल सकती है। निष्कर्ष रूप में इतना समझिए कि प्रकृति का जो मूल आग्रह है, वह है जमीन के उपयोग को उसके तरीके से करना। तो, प्रकृति से सामंजस्य बनाकर रखना ही उचित है। उसी हाल में हम लंबे समय तक यह पारी खेल पाएंगे। भारत को इस चीज का ध्यान रखने की जरूरत है और हमें दुनिया के साथ मिलकर ग्लोबल वॉर्मिंग को कंट्रोल करने की जरूरत है।

बीती तांहि बिसार दे, आगे की सुध ले, क्या सचिन पायलट अब इसी लाईन पर चलेंगे?

रामस्वरूप रावतसरे

दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में गत दिनों राजस्थान कांग्रेस की चार घण्टे चली बैठक के बाद पार्टी के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट के बयान से पार्टी खुश हैं। पार्टी के नेताओं का दावा है कि अब सब ठीक हो गया है। अब राजस्थान कांग्रेस में कोई खींचतान नहीं बची है, यानी इस बैठक से पार्टी जो चाहती थी, वह मिल गया है लेकिन सवाल यह है कि खुद सचिन पायलट को क्या मिला? क्या उन्होंने जो तीन मांगे उठाई थीं, उन पर आधी अधूरी कार्रवाई से वे संतुष्ट है? और क्या पार्टी और अपनी ही सरकार से उनकी खिलाफत सिर्फ इन तीन मांगों तक ही सीमित थीं?

ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि 29 मई को दिल्ली में जो बैठक हुई थी, उसके बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच सहमति की बात कही जा रही थी लेकिन पार्टी ने इस सहमति का फामूर्ला ना तब उजागर किया और ना ही अभी उसकी बात कही गई। यानी यह बात अभी भी स्पष्ट नहीं है कि पार्टी सचिन पायलट को राजस्थान में क्या भूमिका देने जा रही है? ऐसे में क्या वास्तव में यह माना जा सकता है कि दोनों नेताओं के बीच साढे चार साल से चल रही खींचतान का पटाक्षेप हो गया है और अब पार्टी में सब ठीक है? या अभी पिक्चर बाकी है!

आखिर क्यों लड़ रहे थे अशोक गहलोत और सचिन पायलट! सचिन पायलट राजस्थान के कांग्रेस अध्यक्ष थे और उनके नेतृत्व में ही पार्टी ने बहुमत के आसपास की सीटें जीत कर राजस्थान में सरकार बनाई थीं। चूँकि पार्टी के वे अध्यक्ष थे, इसलिए सीएम पद के वे स्वाभाविक उम्मीदवार माने जा रहे थें। गुर्जर बहुल पूर्वी राजस्थान ने सचिन के चेहरे पर कांग्रेस को वोट दिया और भाजपा को वहां से सिर्फ एक सीट मिल पाई। इसके बावजूद सीएम की कुर्सी अशोक गहलोत को मिली और पायलट को डिप्टी सीएम पद से संतोष करना पड़ा। यहां से खटास शुरू हुई वो पिछले साढे चार साल में खत्म ही नहीं हुई। सरकार बनने के बाद डेढ साल बाद ही सचिन ने बगावत का झंण्डा उठा लिया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सूचना तंत्र बेहद मजबूत है और उन्होंने प्रदेश में कोविड के संकट के बावजूद सरकार को राजनीतिक संकट से बाहर निकाल लिया। पार्टी में वर्चस्व की यही लड़ाई पिछले साढे चार साल से सचिन लड़ रहे थे लेकिन गहलोत जैसे दक्ष राजनीतिज्ञ के सामने वे सफल नहीं हो पाए। दोनों के मध्य सुलह के लिए आलाकमान ने कई बार कहा लेकिन सचिन पायलट के लिए इंतजार लम्बा होता गया। पार्टी के फैसले के इंतजार से थके सचिन ने इस साल अप्रेल और मई में अपनी ही सरकार के खिलाफ पहले एक दिन का अनशन और फिर पांच दिन की यात्रा निकाली। 11 मई को इस यात्रा की समाप्ति के बाद ही सचिन पायलट ने तीन मांगें सरकार से की थीं। 1- राजस्थान लोक सेवा आयोग को भंग कर इसका पुनर्गठन किया जाए। 2-पेपर लीक से प्रभावित अभ्यर्थियों को मुआवजा दिया जाए। 3-वसुंधरा राजे के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार के मामले की जांच कराई जाए। पायलट ने यह मांगें उठाते हुए सरकार को मई अंत तक का अल्टीमेटम दिया था और चेतावनी दी थी कि मांगें नहीं मानी गईं तो वे राज्यव्यापी आंदोलन करेंगे। पार्टी आलाकमान ने मई का महीना यानी अल्टीमेटम का समय पूरा होने से पहले पायलट और गहलोत को बुलाकर बात की और इसके बाद सचिन पायलट का अंदोलन टल गया हांलाकि उनकी मांगों पर गहलोत ने पूरे जून के दौरान कोई कार्यवाई नहीं की। इस दौरान भी सचिन पायलट इंतजार ही करते रहे। इस बीच 11 जून भी आई, जब यह माना जा रहा था कि सचिन नई पार्टी बनाने से संबंधित कोई बड़ा ऐलान कर सकते है लेकिन हुआ कुछ नहीं। पार्टी से जुड़े लोगों का कहना है कि सचिन को उनके शुभचिंतकों और आलाकमान से यही मशविरा मिला है कि पार्टी छोड़कर जाने से कुछ हासिल नहीं होगा। पार्टी में बने रहोगे तो फिर भी कुछ उम्मीद है क्योंकि भविष्य के नेता आप ही हो। माना जा रहा है कि भविष्य की इसी उम्मीद के सहारे सचिन ने बीती तांहि बिसार दे, आगे की सुध ले की कहावत पर अमल किया है वरना देखा जाए तो ना तो उनकी मांगों पर कुछ ठोस कार्रवाई हुई है और ना उन्हें क्या मिलने वाला है, यह स्पष्ट हुआ है। राहुल गांधी बने ही पायलट को असेट बताते रहे लेकिन गहलोत ने पायलट को उनकी सरकार गिराने वाला भी बताया। कांग्रेस में यह गहलोत का दबदबा ही है कि पायलट को अभी तक कोई पद नहीं मिला। अब जब विधानसभा चुनाव में चार माह शेष रह गए हैं, तब भी पायलट बिना पद के ही हैं। सब जानते हैं कि गत वर्ष 25 सितंबर को गहलोत ने जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक नहीं होने दी। यदि गहलोत की सहमति के बगैर पायलट को कोई पद दिया गया तो राजस्थान में कांग्रेस का हाल 25 सितंबर से भी बुरा होगा। कांग्रेस हाईकमान के लिए गहलोत और पायलट के बीच तालमेल बैठाना आसान नहीं है। अलबत्ता अब सचिन पायलट ने कांग्रेस में ही रहकर गहलोत को मात देने का मन बना लिया हो! इसीलिए सचिन कह रहे है कि कोई अकेला चुनाव नहीं जीत सकता, इसलिए मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उनके मध्य कोई विवाद नहीं है। पायलट का दावा है कि उन्होंने जो मुद्दे उठाए थे, उन पर कांग्रेस हाईकमान ने संज्ञान लिया है। क्या पिक्चर अभी बाकी है? साफ जाहिर हो रहा है कि भविष्य की उम्मीद पर सचिन ने स्थितियों को जैसे तैसे स्वीकार तो कर लिया है, लेकिन पूरी तरह स्थिति तभी साफ होगी, जब पार्टी की ओर से उन्हें दी जाने वाली जिम्मेदारी की बात स्पष्ट होगी। जानकारों का मानना है कि पार्टी उन्हें दी जाने वाली जिम्मेदारी की बात पर शायद इसलिए अभी कुछ स्पष्ट नहीं कर रही है कि इससे बनती बात और बिगड़ ना जाए। वरना जैसा छत्तीसगढ में टीएस सिंहदेव के मामले में किया गया, वैसा ही एक स्पष्ट फैसला यहां भी किया जा सकता था। इसलिए अभी यह भी नहीं माना जा सकता कि राजस्थान कांग्रेस की खेंचतान वाली यह पिक्चर खत्म हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस पूरी कवायद में सचिन के हाथ अभी भी खाली ही हैं। सचिन पायलट एवं उनके समर्थकों द्वारा पिछले साढे चार साल से जो कुछ किया जा रहा था, वह तीन मांगों के लिए नहीं हो रहा था और ये तीन मांगें भी पूरी तरह नहीं मानी गई है। पार्टी उन्हें क्या जिम्मेदारी देने वाली है, यह बात भी अभी तक साफ नहीं है। इसलिए जब तक पार्टी की बात सामने नहीं आ जाती, तब तक यही माना जाएगा कि सचिन को आश्वासन के अलावा कुछ भी नहीं मिला हैं। वैसे भी कांग्रेस की यह नीति रही है कि जो भी नेता आगे बढने की कोशिश करता है, उसे तब तक बहलाया, फुसलाया जाता है जब तक कि उसका कद चौथाई नहीं रह जाता। अगर राजनीतिक पंण्डितों की माने तो सचिन पायलट के साथ भी यही हुआ है।

क्यों भारत के लिए खास है फ्रांस

आर.के. सिन्हा

भारत- फ्रांस के बीच घनिष्ठ संबंधों की इबारत को नए सिरे से लिखने के इरादे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 14 जुलाई को फ्रांस की यात्रा पर जा रहे हैं। वे वहां पर बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मोदी जी की यात्रा के दौरान दोनों देश महत्वपूर्ण रक्षा और व्यापारिक समझौते पर मुहर लगाएँगे। भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस के साथ 26 राफेल एम (मरीन) लड़ाकू विमानों का सौदा होने की उम्मीद है। भारतङ्क फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 8 जून को ओमान की खाड़ी में अपना पहला त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसमें आईएनएस तरकश, फ्रांसीसी जहाज सुरकौफ, फ्रेंच राफेल विमान और यूएई नौसेना समुद्री गश्ती विमान की भागीदारी थी। इस अभ्यास में सतही युद्ध जैसे नौसेना संचालन का एक व्यापक स्पेक्ट्रम देखा गया था, जिसमें सतह के लक्ष्यों पर मिसाइल से सामरिक गोलीबारी और अभ्यास, हेलीकाप्टर क्रॉस डेक लैंडिंग संचालन, उन्नत वायु रक्षा अभ्यास और बोर्डिंग संचालन शामिल थे। मोदी जी की यात्रा से ठीक पहले इस तरह के अभ्यास का उद्देश्य तीनों नौसेनाओं के बीच त्रिपक्षीय सहयोग को बढ़ाना और समुद्री वातावरण में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों को दूर करने के उपायों को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करना था। इस बीच, यह भी महत्वपूर्ण है कि भारतङ्कफ्रांस रणनीतिक साझेदारी के इस साल 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। आपको याद होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सन 2016 में भारत की विदेश नीति बड़ा बदवाल तब किया था जब उन्होंने फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रांसिस ओलांद की दिल्ली की जगह चंडीगढ़ में अगवानी की थी। मोदी जी से पहले के प्रधानमंत्रियों के दौर में विदेशों से भारत आने वाले राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री दिल्ली आते थे और उन्हें ज्यादा से ज्यादा आगरा में ताजमहल घुमा दिया जाता था। अब इन महत्वपूर्ण स्थानों में अहमदाबाद, बनारस, चंडीगढ़, बेंगलुरु और तमिलनाडु के मंदिर भी शामिल हो गये हैं। और भी कुछ शहर इस नीति का आने वाले वक्त में हिस्सा बनेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांसिस ओलांद उस साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे। ओलांद और मोदी के बीच चंड़ीगढ़ में विस्तार से गुफ्तगू हुई। फ्रांस के राष्ट्रपति का भारती? दौरा चंडीगढ़ से शुरू करने के पीछे एक वजह थी। दरअसल चंडीगढ़ के डिजाइनर लॉ कार्ब्युजियर फ्रांस के ही नागरिक थे। यहां पर लॉ कार्ब्युजियर के सहयोगी प्रो.जे.के.चौधरी की चर्चा करना भी समीचिन होगा। प्रो.जे.के.चौधरी ने लॉ कार्ब्युजियर के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा था। दोनों भारत तथा फ्रांस के आर्किटेक्चर पर लंबी चचाएँ भी करते थे। प्रो. चौधरी ने आईआईटी दिल्ली को डिजाइन किया था। इनमें क्लास रूम, छात्रावास, हॉल, प्रयोगशालाएं,फैक्ल्टी के फ्लैट, कर्मियों के फ्लैट वगैरह शामिल थे। उनके सामने वास्तव में बड़ी चुनौती थी कि वे इतने विशाल कैंपस में इतनी अलग-अलग उपयोग में आने वाली इमारतों के डिजाइन तैयार करें। इसमें कोई शक नहीं है कि प्रो. चौधरी को फ्रांस के महान आर्किटेक्ट के साथ काम करने के बाद बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का ठोस अनुभव प्राप्त हुआ। दरअसल आईआईटी से पहले दिल्ली में कोई इतना बड़ा शिक्षण संस्थान का कैंपस बना भी नहीं था। पर चंडीगढ़ के निर्माण के बाद उनके पास अनुभव पर्याप्त हो गया था। फ्रांस के राष्ट्रपति ओलांद की उसी यात्रा के समय फ्रांस ने भारत 33 ?फेल लड़ाकू विमान देने का वादा किया था। राफेल की जद में पूरा पाकिस्तान आ जाता है जिससे हमें पाकिस्तान पर काफी बढ़त मिल जाती है। भारत को राफेल विमान मिलने भी लगे हैं।

अगर दोनों देशों के संबंधों के इतिहास पर नजर डालें तो ये सदियों पुराने हैं। 17वीं शताब्दी से 1954 तक, फ्रांस ने भारत के पुडुचेरी में अपनी औपनिवेशिक उपस्थिति बनाए रखी थी। वहां पर अब भी फ्रांस की संस्कृति और इमारतों पर फ्रांस की वास्तुकला को देखा जा सकता है।

दुनियां की नजरें भारत पर

किशन भावनानी गोंदिया

-**वैश्विक** स्तरपर भारत जिस तेजी के साथ पंजीकृत स्पेस संबंधित स्टार्टअप के विकासको धमाकेदार प्रगतिशील बना रहा है, महज 5 स्टार्टअप वाला भारत आज हर क्षेत्र की सेवाएं देने के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध है। यही कारण है कि अमेरिका जैसे पूर्ण विकसित,दुनियां का बादशाह देश भी भारत की इस अभूतपूर्व सफलता का कायल है,जिसका उदाहरण भारतीय पीएम के अधिकृत अमेरिका दौरे में एक संयुक्त वक्तव्य में कहा गया था कि दोनों देश के नेताओं ने प्रण किया है कि उदेश्य अंतरिक्ष सहयोग क्षेत्र में नए आयामों को उपलब्ध कराना है। अमेरिका भारत के निजी क्षेत्रों में गठजोड़ करेगा क्योंकि अमेरिका ने भारत की वैज्ञानिक शक्ति को रेखांकित किया है कि, भारत के जल्द विसतारवादी मुल्क को वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी,तकनीकी और कूटनीतिक रूप से मात देने की ओर तेजी से कदम बढ़ गए हैं। चंद्रयान -3 में नासा की भी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया जा सकता है। भारत ही नहीं सारी दुनियां को 7 सितंबर 2019 की आधी रात समय करीब 2 बजे जिसमें मैं खुद भी टेलीविजन पर लाइव लांचिंग देख रहा था, याद होगा के आखिरी के 2.1 किलोमीटर पर चंद्रयान-2 का धरती पर उतरना सफल नहीं हुआ था उस समय पीएम ने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के साथ इसरो में खुद भी मौजूद थे और देख रहे थे और असफल होने पर किस तरह इसरो चीफ को पीएम ने गले लगाए था, इसरो चीफ रो पड़े थे। मेरी भी आंखों में आंसू आ गए थे, उस समय पीएम ने वैज्ञानिकों को ढांढस बंधाते हुए कहा था इस असफलता से हमारे इरादे और मजबूत हुए हैं फिर उसी दिन पीएम ने इसरो में ही वैज्ञानिकों की हौसला अफजाई की थी। चूंकि चंद्रयान-3, 14 जुलाई 2023 को लांच हो रहा है, इसलिए हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से बढ़ते कदमों से दुनियां हैरान रह गई है।

साथियों बात अगर हम चंद्रयान -3 के लांचिंग की करें तो,भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बहुप्रतीक्षित मिशन चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग की तारीख का एलान कर दिया है। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को दोपहर 2:35 बजे लॉन्च किया जाएगा। चंद्रयान-3 का फोकस चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंड करने पर है। इसरो के अध्यक्ष ने बताया कि चंद्रयान-3 मिशन के तहत इसरो 23 अगस्त या 24 अगस्त को चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करेगा।

जंगलों से अतिक्रमण खत्म कर लायेंगे हरियाली: डॉ एनके सिंह

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रभागीय वनाधिकारी/रानीपुर टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर डॉ एनके सिंह ने बाराबंकी से आकर जिले का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता है कि जिले में हरियाली के साथ पर्यटन को बढावा मिले। अवैध अतिक्रमण जंगल से खत्म हो। शासन की मंशानुसार कार्य करने के प्रति निष्ठा जताई।

सोमवार को प्रभागीय वनाधिकारी/रानीपुर टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर डॉ एनके सिंह ने अपने कार्यालय में हुई भेंट में बताया कि रानीपुर टाइगर रिजर्व होने से पर्यटन को बढावा देने के कार्य प्राथमिकता से किये जायेंगे। वन क्षेत्र में फैले अतिक्रमण को हटवाकर वन क्षेत्र की सीमा में वृद्धि की जायेगी। वृक्षारोपण के माध्यम से जिले में चहुंओर हरियाली लाने के प्रयास किये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि शासन की मंशानुसार कार्य किया जायेगा। जिले में पर्यटन क्षेत्र को बढावा देने को बहुत कार्य शेष हैं। तुलसी प्रपात में कार्य चल रहा है। उसके बनने के बाद पर्यटन क्षेत्र में बढावा मिलेगा।

फंसाने का कुछ लोग कर रहे कुचक्र: विनोद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन विनोद द्विवेदी ने बताया कि उन्हें कुछ लोग झूंठे मामले में फंसाने की हरकतें कर रहे हैं। ऐसे लोगों की मंशा वह समझ रहे हैं।

सोमवार को मानिकपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन विनोद द्विवेदी ने बताया कि कुछ लोग उनसे व्यक्तिगत रंजिश मानते हैं। ऐसे लोग उन्हें फंसाने के कुचक्र कर रहे हैं। वे ऐसे कुचक्रों के जाल में फंसने वाले नहीं है। ऐसे लोग पूरे नगर में ऐसी हरकतें पहले भी करते आये हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं कि जो घरों में गिर जाते हैं तो दूसरे पर मारपीट का आरोप लगा देते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की मंशा वे बखूबी समझते हैं। वे किसी के दबाव में नहीं आने वाले। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में कुछ लोग झूंठा क्लेम करना चाहते थे, ऐसे लोगों की मंशा पूरी नहीं हुई तो वे अनर्गल आरोप लगा रहे हैं।

बदलाव में हैं तीन बाधायें: बादल, किसान सभा के प्रशिक्षण शिविर का अन्तिम दिन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश किसान सभा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन मुख्य वक्ता बादल सरोज ने बदलाव की बाधाएं विषय पर विचार रखे।

मंगलवार को उप्र किसान सभा के राज्य प्रशिक्षण शिविर में सीतापुर स्थित राष्ट्रीय रामायण मेला में उन्होंने कहा कि खेती और पशुपालन की शुरूआत महिलाओं ने की थी। आज भी खेती मे कार्यरत जनसंख्या में महिलाओं की संख्या अधिक है। इसके बावजूद महिलाओं को पीछे धकेला हुआ है। ये पुरूष प्रधान समाज के कारण है। सभी धर्मों की सांप्रदायिकता को उन्होंने दूसरी बाधा बताते हुए कहा कि धर्म और सांप्रदायिकता दोनों अलग-अलग हैं। आरएसएस धर्म की आड़ में लोगों की भावनाओं को भड़का कर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति कर रहा है। जो समाज और देश के लिए खतरनाक है।

उन्होंने कहा कि तीसरी बाधा जातिवाद है। जातियों के आधार पर समाज के विभाजन का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। शोषण के लिए लोगों को जातियों के आधार पर बांट दिया है। किसान आन्दोलन को किसानों की मांगों के साथ जातिवाद, सांप्रदायिक राजनीति और पुरूष प्रधान समाज की सामंती मानसिकता के खिलाफ भी संघर्ष करना है। बीजेपी आरएसएस जनता को बांटने वाली जातिवादी, सांप्रदायिक व सामंती सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। किसान सभा को इन बाधाओं के खिलाफ भी वैचारिक अभियान चलाना है। इस मौके पर का मुकुट सिंह व उप्र किसान सभा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्रा एड आदि मौजूद रहे।

हेट स्पीच मामले में अब्बास अंसारी की जमानत अर्जी स्वीकार

मऊ। विधानसभा चुनाव के दौरान एक जनसभा में अधिकारियों को धमकी देने के मामले में आरोपी विधायक अब्बास अंसारी की ओर से दी गई जमानत अर्जी पर सोमवार को विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए कोर्ट दिनेश कुमार चौरसिया की कोर्ट में सुनवाई हुई। विशेष न्यायाधीश ने जमानत अर्जी पर एडीजी फौजदारी और बचाव पक्ष के अधिवक्ता दारोगा सिंह के तर्कों को सुनने के बाद जमानत अर्जी सशर्त स्वीकार कर लिया। विशेष न्यायाधीश ने अपने आदेश में लिखा कि विचारण में सहयोग करेंगे, साक्षियों को डराए धमकाएगें नहीं और न्यायालय में प्रत्येक तिथि पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहेंगे। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है।

अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में अपराध संख्या 97/ 22 धारा 506, 171च भादवि के तहत एफआईआर दर्ज हुई। जिसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया। आरोप था कि 3 मार्च, 2022 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी अब्बास अंसारी ने नगर क्षेत्र के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान जनपद मऊ के प्रशासन को चुनाव के बाद रोककर हिसाब-किताब करने व इसके बाद सबक सिखाने की धमकी दी है।

पुलिस ने विवेचना मे मामले में धारा 506, 171 एफ,186,189,153 ए, 120 बी भादवि में सदर विधायक अब्बास अंसारी व उनके भाई उमर अंसारी, इलेक्शन एजेंट गाजीपुर जनपद के पुरानी कचहरी यूसुपुर मुहम्मदाबाद निवासी मंसूर अंसारी आदि के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया है।

सावन के पहले सोमवार में शिवभक्तों का उमडा सैलाब

मत्स्यगयेन्द्रनाथ में भारी सुरक्षा के बीच श्रद्धालुओं ने किये दर्शन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पौराणिक तीर्थ में मंदाकिनी के घाट पर स्थित सृष्टि के प्रथम लिंग स्वामी मत्स्यगयेन्द्रनाथ के जलाभिषेक और पूजन को सावन के पहले सोमवार में लाखों शिवभक्तों की भीड उमडी।

सोमवार को सवेरे से ही आस्थावानों का सैलाब मंदाकिनी तट पर दिखने लगा। लंबी-लंबी कतारों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजन करने को भारी भीड उमडी। जिला प्रशासन ने मंदिर और भक्तों की सुरक्षा को चैकस इंतजाम किये थे।

मंदिर के प्रधान पुजारी बिपिन तिवारी ने शिव मंदिर की महिमा का बखान करते हुए कहा कि इस मंदिर में चार लिंगों में से एक लिंग भगवान ब्रह्मा और एक भगवान श्रीराम ने स्थापित किया था। ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना को रामघाट स्थित यज्ञदेवी क्षेत्र में यज्ञ किया था। 108 कुण्डीय यज्ञ से मदमस्त हाथी की तरह एक शिवलिंग निकला था। इसकी स्थापना भगवान ब्रम्हा ने मत्स्यगयेन्द्रनाथ के रूप में रामघाट में की थी। भगवान श्रीराम यहां वनवास को आये तो मत्स्यगयेन्द्रनाथ से आज्ञा ली थी। श्रीराम ने खुद को शिवलिंग के बगल में एक शिवलिंग स्थापित किया था। मान्यता है कि किसी ने मत्स्यगयेन्द्रनाथ के दर्शन नहीं किए तो कामतानाथ के दर्शन और कामदगिरि की परिक्रमा का लाभ नहीं मिलता।

सावन के पहले सोमवार को रामघाट स्थित राजाधिराज मत्स्यगयेन्द्रनाथ स्वामी मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही। पूरा रामघाट भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गुंजायमान रहा। भस्म आरती के साथ शिव पूजन शुरू हुआ। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने पुलिस कप्तान वृंदा शुक्ला के साथ मंदाकिनी रामघाट तट पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर का पता लेकर सुरक्षा को सीओ सिटी हर्ष पाण्डेय व सदर एसडीएम राज बहादुर की ड्यूटी लगाई।

भाकियू ने बीज-खाद की उठाई समस्या

अन्ना जानवरों को नहीं किया जा रहा बन्द

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाकियू ने पहाडी ब्लाक कर्वी तहसील में ब्लॉक अध्यक्ष जसवंत सिंह ने बैठक के बाद सैकड़ों किसानों ने बीडीओ पहाड़ी को ज्ञापन सौंपा। सदर तहसील में तहसील अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह व जिला महामंत्री अरुण कुमार पाण्डेय ने एसडीएम सदर को सौंपे ज्ञापन में कहा कि किसानों ने खेतो में बीज उग आये हैं। अन्ना जानवर को गौशालाओं में संरक्षित नहीं किया है। इससे किसानों को क्षति हो रही है। मंगलवार को भाकियू तहसील अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ने एसडीएम सदर को सौंपे ज्ञापन में कहा कि जिला प्रशासन ने कहा था कि फसल बुआई से पहले अन्ना जानवरों को पशुबाड़ा में बंद कर दिया जाएगा। भाकियू ने पिछले किसान दिवस में जानवरों को संरक्षित करने की मांग की थी। अभी तक जानवर संरक्षित नहीं हुए। इस मंहगाई की मार से किसानों को एक बार बीज बोना मुश्किल पड़ रहा है। फसल बर्बाद हुई तो दयनीय स्थित हो जाएगी।

तहसील अध्यक्ष राजकिशोर सिंह ने कहा कि सरकार एक बार फिर किसानों के साथ धोखा कर रही हैं। महंगाई की मार से किसानों पर बोझ लादा जा रहा है। किसानों को 15 रुपये में पूरी जमीन की खतौनी निकल आती थी। अब सरकार ने प्रति गाटा 15 रुपए खतौनी लेने आदेश कर दिया है। सरकार सिर्फ अपनी आय दोगुनी कर रही हैं। किसानों की आय दोगुनी का फॉर्मूला फेल है। भाकियू मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि जिले में बीज गोदामो में अच्छे किस्म के बीज व किट नाशक दवाइयों नहीं हैं। मजबूरन किसानों को प्राइवेट दुकानों से बीज व कीटनाशक खरीदना पड़ रहा है। किसान रामेश्वर सिंह, शिव सिंह, राजकुमार, सन्तगोपाल, बिजय त्रिपाठी, साधोप्रसाद, जयनारायण सिंह, रमेश फौजी, उदयनारायण सिंह, अर्जुन सिंह, रामशरण राजपूत, नरेश सिंह, अजय कुमार, योगेंद्र पटेल, कमलेश पटेल, छेदीलाल सिंह समेत सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

11 से 22 जुलाई तक मिलेगा निःशुल्क खाद्यान्न: डीएसओ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला पूर्ति अधिकारी संजय मिश्रा ने बताया कि केन्द्र सरकार की योजना के तहत गरीब लाभार्थियों के आर्थिक बोझ को कम करने व राष्ट्रीय एकरूपता सुनिश्चित करने की गरज से एनएफएसए में आच्छादित अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को एक जनवरी 2023 से एक वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न दिये जाने का निर्णय लिया है।

मंगलवार को डीएसओ ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत माह जुलाई के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण 11 से 22 जुलाई तक होगा। इस अवधि में अन्त्योदय कार्डधारकों को 35 किग्रा खाद्यान्न तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्डों को पांच किग्रा खाद्यान्न प्रति यूनिट निःशुल्क बांटा जायेगा। इस अवधि में जिलाधिकारी के स्तर से नामित नोडल अधिकारियों की मौजूदगी में खाद्यान्न निःशुल्क बांटा जायेगा। कोटेदार निर्धारित तिथियों में खाद्यान्न सवेरे छह बजे से रात्रि नौ बजे तक बांटेगे। वितरण की अन्तिम तिथि 22 जुलाई होगी। आधार प्रमाणीकरण से खाद्यान्न प्राप्त न करने वाले उपभोक्ता मोबाइल ओटीपी वेरीफिकेशन से वितरण सम्पन्न होगा।

डीएम ने मौके पर चेक किये स्टाम्प

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने तहसील कर्वी के ग्राम पंचायत अहमदगंज एवं सीतापुर में बड़ी मालियत के बैनामों में सर्किल रेट अनुसार बैनामा में लगाए स्टांप का स्थलीय निरीक्षण किया।

मंगलवार को जिलाधिकारी ने अहमदगंज के गाटा संख्या 337 के विक्रेता छोटी रानी पत्नी बिंदा प्रसाद एवं क्रेता आसाराम पुत्र रामआधार, अजय कुमार सोनी पुत्र रामखेलावन सोनी एवं राकेश कुमार पुत्र लक्ष्मी भारद्वाज व सीतापुर रूरल में विक्रेता संतोष सिंह पत्नी वीरेंद्र सिंह एवं क्रेता बंदना पत्नी लवकुश एवं विक्रेता मीरा द्विवेदी क्रेता नंदिनी गुप्ता एवं विक्रेता वंदना गर्ग क्रेता मीरा द्विवेदी के बैनामा स्थल का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण दौरान सब रजिस्टार राजेश सिंह से पूंछा कि मालियत के अनुसार सभी बैनामा में स्टांप सही लगे हैं या नहीं।

सब रजिस्ट्रार ने बताया कि बैनामा में स्टांप सही लगाए गए हैं। निरीक्षण दौरान नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, अहमदगंज लेखपाल राजेश कुमार वर्मा, सीतापुर अशोक मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

80 लाख कीमत का तीन के कब्जे से गांजा बरामद

तीन अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर दबोचे, एसपी ने दी जानकारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर कोतवाली कर्वी एवं एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम ने तीन अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करों को दबोचा है। डीसीएम में लदे एक क्विंटल 53 किलो पांच सौ ग्राम गांजा, एक कार, तस्करी में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन व 1050 रुपये समेत बरामदगी की है।

ज्ञात है कि पुलिस को काफी दिनों से प्रदेश के विभिन्न जिलों से होकर अवैध मादक पदार्थ तस्करी की सूचना मिल रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीफ लखनऊ की विभिन्न टीमों ने सूचना संकलित कर कार्यवाही के निर्देश दिये थे। सोमवार को एसटीएफ लखनऊ व कोतवाली कर्वी की संयुक्त टीम ने बघौड़ा तिराहे के पास से तीन अन्तर्रीज्यीय गांजा तस्करों को दबोचा। डीसीएम सीजी-4एनएस/7730 से गांजा तस्करी कर ले जा रहे थे। डीसीएम में लदा एक क्विंटल 53 किलो

500 ग्राम गांजा, एक टाटा टैगोर कार यूपी96/एन 2365, तस्करी में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन व 1050 रुपये बरामद किये।

पूंछतांछ में आरोपियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से गांजा तस्करी कर विभिन्न राज्यों में सप्लाई करते हैं। चित्रकूट में विजय कुमार गुप्ता पुत्र रज्जन गुप्ता निवासी जगदीशगंज कोतवाली कर्वी को देते हैं। बरामद गांजे की अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में 76 लाख 75 हजार रुपये कीमत आंकी गई है। एनडीपीएस एक्ट में विजय कुमार गुप्ता, अक्षय पुत्र स्व साधू प्रसाद निवासी अमानपुर कोतवाली कर्वी व राजेन्द्र चक्रधारी पुत्र ओमप्रकाश चक्रधारी निवासी बटंग थाना अमलेश्वर जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। एसटीएफ टीम में निरीक्षक जय प्रकाश राय, दरोगा अमित कुमार तिवारी, दरोगा रामकृष्ण यादव, दीवान घमश्याम राय, दीवान दुर्गेशमणि त्रिपाठी, सिपाही अवनीश कुमार, कमाण्डो राजकुमार यादव व कोतवाली कर्वी टीम में कोतवाल गुलाब त्रिपाठी, निरीक्षक अपराध अजीत कुमार पाण्डेय, दरोगा पवन प्रधान, दरोगा राकेश मौर्या, सिपाही गोलू भार्गव, सिपाही पियूष शरन, विनोद यादव, प्रवीण पाण्डेय, बहोरन सिंह शामिल रहे।

पाल समाज के अध्यक्ष बने कुबेर पाल

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। मऊ ब्लॉक में माताबदल पाल के घर में अखिल भारतीय पाल महासभा की बैठक की अध्यक्षता अमरनाथ पाल ने की। समाज के सभी गणमान्य लोग मौजूद रहे। बसपा पूर्व जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद पाल, जगमोहन पाल, रामप्यारे पाल, बीडी पाल, जगदीश पाल, संतोष पाल, सीरियल पाल, शिव गोविंद पाल, लवलेस बेल्हा, धनराज पाल, अयोध्या प्रसाद पाल, प्रधान बरेठी शिवबालक पाल, राम सुमेर पाल, रामचरण पाल, विनय कुमार पाल, राजाराम पाल, जिला पंचायत

सदस्य बुद्धि लाल पाल, राजकरण पाल, राजेंद्र पाल, शिवनारायण पाल, उदय राजपाल, अरुण पाल, हनुमान प्रसाद पाल, धर्मेंद्र पाल, नंदलाल पाल समेत ग्रामीणों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से अखिल भारतीय पाल महासभा के संरक्षक मंडल और कार्यकारिणी के सदस्यों का चुनाव हुआ।

मंगलवार को अखिल भारतीय पाल महासभा के संरक्षक चंद्रपाल पाल, अभय राजपाल, रामप्यारे पाल, चुनकू रामपाल, बीडी पाल, जगदीश पाल, माता बदल पाल, राजाराम पाल बनाये गये। कार्यकारिणी में अध्यक्ष कुबेर पाल, उपाध्यक्ष उदय राजपाल, विनय कुमार पाल, सचिव अरुण सिंह पाल, कोषाध्यक्ष रामचरण पाल बनाये गये। कार्यकारिणी का विस्तार ब्लॉक वाइज किया जायेगा।

पहाडी ब्लाक की सडकें बनवाने का अध्यक्ष ने दिया भरोसा, किसान विकास समिति के लोग अध्यक्ष से मिले

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बुन्देली आवाज किसान विकास समिति के अध्यक्ष विशाल भाई ने पहाडी ब्लाक के जमहिल, तौरा व नांदी के ग्रामीणों के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव से भेंटकर सडक बनवाने की मांग की। जिला पंचायत अध्यक्ष ने भरोसा दिया कि बारिश के पहले सभी सडकों को बनवाया जायेगा।

मंगलवार को बुन्देली आवाज किसान विकास समिति के अध्यक्ष विशाल भाई ने जमहिल, तौरा व नांदी के ग्रामीणों के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव से भेंटकर कहा कि जमहिल गांव के मजरा नारायणपुरवा दलित बस्ती में मुख्य रोड से पांच सौ मीटर विद्यालय तक सडक नहीं है। तौरा गांव के मजरा उसरा में तीन सौ मीटर सडक नहीं है। नांदी गांव के मजरा गोकुलपुरवा दलित बस्ती में मुख्य रोड से तोताराम के घर तक सडक नहीं है। सडक न होने से ग्रामीणों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है।

उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष से सडक बनवाने की मांग की। जिला पंचायत अध्यक्ष ने भरोसा दिया कि बारिश के पहले काम शुरू कराया जायेगा। इस मौके पर रामसंवारे वर्मा, नत्थू वर्मा, शिवकन्या, लालाराम, संजय, पंकज, नेमचन्द्र, उमाशंकर, गोविन्द, राममूरत, पुष्पराज यादव, रामनारायण खंगार, शंकर पटेल, रामप्रसाद यादव आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

विदेश संदेश

पाकिस्तान में अगवा पत्रकार सैयद मोहम्मद अस्करी को रिहा गया

कराची। पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार सैयद मोहम्मद अस्करी को छोड़ दिया गया है। वह घर पहुंच गए हैं। अस्करी डेली जंग न्यूज से संबद्ध हैं। उनके सहयोगी साकिब सगीर ने सोमवार को यह जानकारी दी। अस्करी एक शादी में शामिल होने के बाद शनिवार देरशात अचानक लापता हो गए थे। मीडिया संगठनों ने आरोप लगाया था कि बिना किसी कारणों से सादे लिबास पहने पुलिसकर्मियों ने बलूच से उनका अपहरण कर लिया है। साकिब सगीर ने सोमवार को पुष्टि की कि अस्करी वापस आ गए हैं। सगीर ने कहा कि अस्करी ने उन्हें सुबह तीन बजे फोन किया और कहा कि वह सुरक्षित घर पहुंच गए हैं।

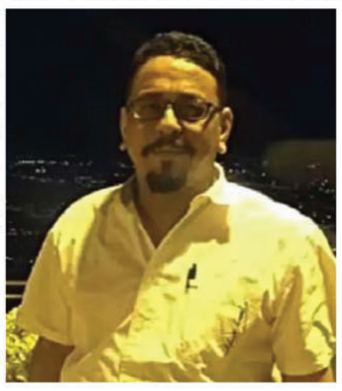

अस्करी को सोहराब गोथ के पास छोड़ दिया गया।अपहर्ताओं ने उसका मोबाइल फोन और बटुआ नहीं लौटाया।

लिथुआनिया में नाटो शिखर सम्मेलन कल से, हो सकती है यूक्रेन पर बड़ी घोषणा

विलनियस (लिथुआनिया)। लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में दो दिवसीय उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन का आगाज कल (मंगलवार) होगा। सदस्य देशों की चर्चा में यूक्रेन एक बड़ा मुद्दा होगा। यूक्रेन में 500 दिन से अधिक समय से युद्ध चल रहा है। यूक्रेन नाटो में शामिल होना चाहता है, लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडन कह चुके हैं कि युद्ध के बीच यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की प्रक्रिया

शुरू करना 'समय से पहले' होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी से इतर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा है कि लिथुआनिया के विलनियस का शिखर सम्मेलन यूक्रेन को सैन्य गठबंधन के करीब लाएगा। स्टोल्टेनबर्ग ने उम्मीद जताई है कि नाटो सदस्य देशों के नेता यक्रेन के नाटो का सदस्य बनने की पुष्टि करेंगे। उन्होंने कहा कि नाटो का लक्ष्य शिखर सम्मेलन में तीन क्षेत्रीय रक्षा योजनाओं को अपनाना है। सैन्य गुट उत्तर में अटलांटिक, यूरोपीय आर्कटिक, मध्य में बाल्टिक क्षेत्र, मध्य यूरोप, दक्षिण में भूमध्य सागर और काला सागर में अपनी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करेगा।

भूमि घोटाला मामले में नेपाल के संचार सचिव गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल में भूमि घोटाला मामले में संचार मंत्रालय के सचिव कृष्ण बहादुर राउत को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) ने त्रिभुवन हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया। सीआईबी ने राउत की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन पर भूमि घोटाले में संलिप्तता का आरोप है। यह भूमि घोटाला ललिता निवास मामले के नाम से जाना जाता है। इस मामले में नेपाल के पूर्व मंत्रियों, पूर्व सचिवों के अलावा दो सौ से अधिक पूर्व एवं वर्तमान कर्मचारियों और व्यवसायियों को गिरफ्तार करने के लिए सीआईबी नें

वारंट जारी किया है। इससे पहले पुलिस ने भूटानी शरणार्थियों के मामले में पूर्व उप प्रधानमंत्री, पूर्व मंत्री और सचिव समेत 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया था। प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार एक के बाद एक भ्रष्टाचार और अपराध की बड़ी घटनाओं की फाइलें खोल रही है और कार्रवाई कर रही है।

नेपाल में प्रचंड-ओली की मुलाकात के बाद संसद में गतिरोध थमने के आसार

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड की पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात के दौरान संसद में जारी गतिरोध खत्म करने पर सहमति बनी। ओली की सीपीएन (यूएमएल) प्रतिनिधि सभा में मुख्य विपक्षी दल है।

प्रचंड और ओली की मुलाकात के दौरान नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा भी मौजूद रहे। नेपाली कांग्रेस प्रचंड के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन की प्रमुख घटक दल है। बैठक की जानकारी नेपाली कांग्रेस के नेता रमेश लेखक ने दी।

प्रधानमंत्री प्रचंड ने पिछले दिनों भारतीय कारोबारी सरदार प्रीतम सिंह पर लिखी एक किताब के विमोचन के मौके पर कहा था कि सिंह ने उनको प्रधानमंत्री बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई थी। इसके लिए वह कई बार भारत भी गए थे। प्रचंड के इस बयान के बाद सीपीएन (यूएमएल) ने उनके इस्तीफे की मांग करते हुए पांच जुलाई से संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी थी। अब दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद संसद में जारी गतिरोध थमने के आसार हैं।

पाकिस्तान में भारी बारिश, 24 घंटे में नौ की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान भारी बारिश से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा है। मुल्क में बाढ़ की वजह से बदतर हालात हैं। पिछले 24 घंटों में और नौ लोगों की मौत हो गई। अब बाढ़ और भूस्खलन की जद में आकर मरने वालों का आंकड़ा 76 पहुंच गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यह जानकारी आज दी। प्राधिकरण ने कहा है कि इसके अलावा 133 लोग घायल हुए हैं। बदहाली से जूझ रहे मुल्क पर इस साल जून से बारिश कहर बरपा रही है। मूसलाधार बारिश से पूरे देश में 78 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मृतकों में सबसे अधिक 48 लोग पंजाब प्रांत के हैं।

भारत-तंजानिया द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने पर सहमत

दार अस सलाम। भारत और तंजानिया अपने द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की है। दोनों देश कारोबार, निवेश, कृषि, रक्षा एवं शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान कर इसका एक खाका तैयार करेंगे।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को यहां तंजानिया की विदेश मामलों एवं पूर्व अफ्रीकी सहयोग मंत्री स्टरगोमेना टैक्स से यहां 10वें भारत-तंजानिया संयुक्त आयोग बैठक में मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच इस संयुक्त आयोग में सार्थक बातचीत हुई। आयोग ने हमें अपने

संबंधों पर नए सिरे से गौर करने का एक मौका दिया। हम उन क्षेत्रों में भी अपना सहयोग मजबूत करने पर सहमत हुए, जिन पर पहले से काम कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत को दोनों देशों के बीच जल साझेदारी पर गर्व है। जल साझेदारी में लगभग एक अरब डॉलर का आसान ऋण शामिल है, जो परियोजनाएं पूरी होने पर 80 लाख तंजानियावासियों को सुरक्षित पेयजल प्रदान करेगा।

अमेरिकी सेना के ड्रोन हमले में मारा गया इस्लामिक स्टेट का नेता उसामा अल-मुहाजिर

वाशिंगटन। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने पूर्वी सीरिया में ड्रोन हमले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के नेता उसामा अल-मुहाजिर को मार गिराया है। सेंटकॉम कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने रविवार को कहा कि मुजाहिर सात जुलाई को किए गए हमले में मारा गया।कमांडर जनरल कुरिल्ला ने कहा कि यह हमला एमक्यू-9 रीपर ड्रोन से किया गया। सेंटकॉम पूरे क्षेत्र में आईएस के सफाये के लिए

प्रतिबद्ध है। आईएस केवल एक क्षेत्र के लिए नहीं बल्कि बड़े स्तर पर खतरा बनकर उभरा है। सेंटकॉम ने साफ किया है कि इस हमले में किसी भी नागरिक को क्षति नहीं पहुंची है।

इटली के दिवंगत पीएम ने अपनी 33 साल की प्रेमिका के लिए 906 करोड़ रुपये से अधिक छोड़े हैं

दार अस सलाम। इटली के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी की वसीयत चर्चाओं में बनी हुई है। दरअसल, उन्होंने अपनी वसीयत में 33-वर्षीय गर्लफ्रेंड मार्ता फासीना के लिए 100 मिलियन यूरो यानी 906 करोड़ रुपये से अधिक छोड़े हैं। बर्लुस्कोनी का पिछले महीने 86-वर्ष की उम्र में निधन हुआ था।

बता दें कि सिल्वियो बर्लुस्कोनी एक मीडिया टाइकून और राजनीतिज्ञ थे। इसके अलावा वे तीन बार इटली के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बर्लुस्कोनी के साम्राज्य की कीमत 6 अरब यूरो से अधिक आंकी गई है। फोर्जा इटालिया की डिप्टी मार्ता फासीना और बर्लुस्कोनी का रिश्ता साल 2020 में शुरू हुआ था। दोनों ने कानूनी तौर पर कभी शादी नहीं की थी। लेकिन, उन्होंने मरने से पहले फासीना को अपनी पत्नी कहकर बुलाया था।

कौन हैं मार्ता फासीना

बता दें, 2018 में हुए आम चुनाव के बाद से 33 वर्षीय मार्ता इटली संसद के निचले सदन की सदस्य रही हैं। वह फोर्जा इटालिया की सदस्य भी हैं। बता दें कि फोर्जा इटालिया की स्थापना बर्लुस्कोनी ने 1994 में की थी, जब उन्होंने पहली बार राजनीति में प्रवेश किया था।

वसीयत में भले ही मार्ता को करोड़ों रुपये मिले हो, लेकिन पूर्व पीएम के व्यापार को उनके दो बच्चे ही संभाल रहे हैं। ऐसे में, दोनों बच्चों मरीना और पियर सिल्वियो की 53 फीसदी हिस्सेदारी होगी। इसके अलावा, बर्लुस्कोनी ने अपनी वसीयत में अपने भाई को भी जगह दी है। उन्होंने अपने भाई पाओलो के लिए 100 मिलियन यूरो और अपनी

फोर्जा इटालिया पार्टी के पूर्व सांसद मार्सेलो डेल 'उट्री के लिए 30 मिलियन यूरो छोड़े हैं।

86 साल की उम्र में निधन

इटली के पूर्व प्रधानमंत्री सिलवियो बर्लुस्कोनी का 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। बर्लुस्कोनी बीते कुछ समय से बीमार चल रहे थे। बर्लुस्कोनी का नाम विवादों में भी खूब रहा और साल 2013 में वह एक सेक्स स्कैंडल में फंसे थे। साथ ही उन पर भ्रष्टाचार और टैक्स में धांधली के भी आरोप लगे थे।

तीन बार रहे प्रधानमंत्री

बर्लुस्कोनी चार बार इटली के प्रधानमंत्री रहे। सबसे पहले बर्लुस्कोनी साल 1994 में पहली बार इटली के पीएम बने। उसके बाद वह 2001 से 2006 तक इटली के पीएम रहे। 2008 में फिर से उन्होंने सत्ता में वापसी की लेकिन 2011 में कर्ज संकट के चलते उन्हे इस्तीफा देना पड़ा और वह राजनीति से भी दूर हो गए। हालांकि 2017 में उन्होंने फिर से सक्रिय राजनीति में एंट्री ली थी। बीते छह हफ्तों से मिलान के एक अस्पताल में बर्लुस्कोनी का इलाज चल रहा था।

साल 1936 में इटली के मिलान शहर में जन्में सिलवियो बर्लुस्कोनी इटली के सबसे बड़े कमर्शियल ब्रॉडकास्टर मीडियासेट के मालिक थे। साथ ही वह मशहूर फुटबॉल क्लब एसी मिलान के भी मालिक रहे। बर्लुस्कोनी साल 2012 में एक टैक्स में धांधली के आरोप में भी फंसे थे। फिलहाल इटली की सरकार में उनकी पार्टी फोरजा इटैलिया सहयोगी है। इटली की राजनीति में सिलवियो बर्लुस्कोनी को किंगमेकर माना जाता था और अपने राजनीतिक करियर के चरम पर वह इटली की सत्ता के केंद्र में रहे।

चीन में किंडरगार्टन में चाकूबाजी; मरने वालों में तीन बच्चियां, एक शिक्षक और दो अभिभावक शामिल

बीजिंग। चीन की आर्थिक शक्ति के केंद्र के रूप में जाना जाने वाले ग्वांगडोंग प्रांत के नर्सरी स्कूल (किंडरगार्टन) में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई है, साथ ही एक अन्य घायल हो गया है। रिपोर्ट्स में प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता के हवाले से बताया गया है कि मरने वालों में एक शिक्षक, तीन छात्राएं और एक पति-पत्नी शामिल हैं।

ये घटना सोमवार को

कर लिया।। पुलिस ने जानकारी दी है कि आरोप का नाम वू है और उसकी उम्र करीबन 25 साल है। पुलिस ने कहा है कि आरोपी ने जानबूझकर उन लोगों पर हमला किया। गौरतलब है कि आमतौर पर चीन में ऐसी घटनाएं कम ही देखी जाती हैं, लेकिन हाल के सालों में देश में चाकू से हमले की घटनाएं देखी गई हैं। इतना ही नहीं ऐसी कई घटनाएं वहां के स्कूलों में भी हुई हैं।

बीते साल अगस्त में, एक चाकूधारी हमलावर ने दक्षिण-पूर्वी जियांग्शी प्रांत में एक नर्सरी स्कूल पर हमला किया था। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए थे। वहीं, अप्रैल 2021 में बेइलियू शहर में सामूहिक चाकूबाजी के दौरान दो बच्चों की मौत हो गई थी वहीं 16 अन्य लोग घायल हो गए थे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

गो फर्स्ट के समाधान पेशेवर ने आमंत्रित किए अभिरुचि पत्र

नई दिल्ली। स्वैच्छिक दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही विमानन कंपनी गो फर्स्ट की बिक्री की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अदालत की ओर से नियुक्त समाधान पेशेवर ने इच्छुक कंपनियों से अभिरुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए हैं। एयरलाइन के लिए नियुक्त समाधान पेशेवर शैलेंद्र अजमेरा ने सोमवार को एक सार्वजनिक सूचना में इसकी जानकारी दी। गो फर्स्ट में रुचि दिखाने वालों से 9 अगस्त, 2023 तक ईओआई मांगे गए हैं। पात्र संभावित आवेदकों की सूची 19 अगस्त को जारी की जाएगी। गो फर्स्ट एयरलाइन ने गत दो मई को वित्तीय संकट का हवाला देते हुए अपना परिचालन बंद करने और स्वैच्छिक रूप से कर्ज समाधान प्रक्रिया शुरू करने की अर्जी दी थी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने 10 मई को कर्ज समाधान प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी देते हुए समाधान पेशेवर नियुक्त किया था।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय संकट की वजह से अपना परिचालन बंद कर चुकी गो फर्स्ट एयरलाइन के करीब 4,200 कर्मचारी हैं। कंपनी पर लगभग 11,463 करोड़ रुपये की देनदारियां हैं।

ट्विटर-मेटा के सीईओ के बीच जुबानी जंग: 'थ्रेड्स' को लेकर ट्वीट पर भड़के एलन मस्क, जकरबर्ग के नाम से किया खेल

जेनिन। मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग की ओर से ट्विटर की प्रतिद्वंदिता में लाए गए नए 'थ्रेड्स' प्लेटफॉर्म को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। खासकर ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने इसे लेकर खासी नाराजगी जताई है। अब मस्क ने इस प्लेटफॉर्म के बहाने जकरबर्ग पर तंज कसा है और उनके नाम के साथ ही खेल कर दिया।

मस्क ने क्या और क्यों कहा?

दरअसल, हाल ही में डाटा हजार्ड नाम के एक ट्विटर अकाउंट से फास्ट फूड चेन वेंडीज के थ्रेड्स का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया गया था। इसमें वेंडीज ने एलन मस्क और ट्विटर को लेकर तंज कसा था। वेंडीज ने जकरबर्ग को सुझाव दिया था कि उन्हें मस्क को चिढ़ाने के लिए अंतरिक्ष में जाना चाहिए। इस पर जकरबर्ग ने हंसने वाली इमोजी के साथ रिएक्ट किया था। गौरतलब है कि एलन मस्क आने वाले वर्षों में अपनी कंपनी स्पेसएक्स के जरिए मंगल मिशन लॉन्च करना चाहते हैं। ऐसे में वेंडीज का यह थ्रेड मस्क की स्पेसएक्स कंपनी पर तंज के तौर पर देखा गया।

ट्विटर पर थ्रेड्स के इसी स्क्रीनशॉट की प्रतिक्रिया में एलन मस्क ने रिप्लाई किया और जकरबर्ग का नाम बिगाड़ते हुए लिखा- जक इज अ कक

(Zuck is a cuck)।

जकरबर्ग को ट्विटर की ओर से मिली है कानूनी कार्रवाई की धमकी

इससे पहले ट्विटर अपने नए थ्रेड्स प्लेटफॉर्म को लेकर मेटा प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। ट्विटर के वकील एलेक्स स्पिरो ने इसे लेकर फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को एक पत्र भी भेजा है। यह पूरा विवाद कॉपीराइट को लेकर शुरू हुआ है। ट्विटर का दावा है कि थ्रेड्स का इंटरफेस ट्विटर जैसा है।

इसके अलावा ट्विटर में एक फीचर है जिसे थ्रेड्स कहा जाता है। जब कोई लंबा ट्वीट कई हिस्सों में करता है वह थ्रेड में बंट जाता है। ऐसे में ट्विटर ने कॉपीराइट का भी दावा किया है। मेटा ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई बयान नहीं दिया है।

लगातार बढ़ रही थ्रेड्स की लोकप्रियता

मजेदार बात यह है कि दो अरबपतियों के बीच की यह जंग मेटा की ओर से थ्रेड्स की लॉन्चिंग के बाद लगातार बढ़ती जा रही है। थ्रेड्स ने हाल ही में 10 करोड़ यूजर्स का आंकड़ा छू लिया और इस पर थ्रेड्स की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। वहीं, ट्विटर की ओर से प्लेटफॉर्म पर लगातार सीमा लगाने के फैसले ने कई यूजर्स को निराश किया है। ऐसे में ट्विटर के प्रति लोगों की नाराजगी भी बढ़ रही है। थ्रेड्स को इंस्टाग्राम की टीम ने ही तैयार किया है। थ्रेड्स में भी रियल टाइम फीड मिलेगी। थ्रेड्स के फीचर्स और इंटरफेस काफी हद तक ट्विटर जैसे ही हैं। थ्रेड्स को अब भारत में भी उपलब्ध करा दिया गया है। थ्रेड्स को गूगल प्ले-स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। यदि आपके पास पहले से ही इंस्टाग्राम पर ब्लू टिक है यानी यदि आपका इंस्टाग्राम अकाउंट पहले से वेरिफाईड है तो थ्रेड्स अकाउंट खुद ही वेरिफाईड हो जाएगा।

थ्रेड्स को आप एपल के एप स्टोर से भी फ्री में डाउनलोड कर सकते हैं। थ्रेड्स में आप अपनी इंस्टाग्राम आईडी के साथ लॉगिन कर सकते हैं। आप अपने इंस्टाग्राम के पूरे डाटा को थ्रेड्स एप पर इंपोर्ट कर सकते हैं। थ्रेड्स में आप 500 कैरेक्टर में पोस्ट कर सकते हैं जिसमें वेब लिंक, फोटो (एक बार में 10 फोटो) और मिनट तक के वीडियो शामिल कर सकते हैं। थ्रेड्स में भी आप किसी को ब्लॉक और फॉलो कर सकते हैं। यदि आपने इंस्टाग्राम पर किसी को ब्लॉक किया है तो थ्रेड्स पर भी वह ब्लॉक ही रहेगा। थ्रेड्स में फिलहाल लढ्ढ्स्नस का सपोर्ट और "close friend" का सपोर्ट नहीं है। इसके अलावा इसमें फिलहाल डायरेक्ट मैसेजिंग का भी फीचर नहीं है।